दैनिक

भारत देश हमारा

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी | सम्पादकः अमृतपाल सिंह | DAILY BHARAT DESH HAMARA NEW DELHI

आरएनआई नं. 57282/1994 वर्ष 31 अंक 70 नई दिल्ली शुक्रवार 13 मार्च, 2026 मूल्य एक रुपया कुल पृष्ठः 8 फोन 97111 01161 ईमेल : bharatdeshdelhi@gmail.com

शब्बीर अहमद को मिली जमानत

नई दिल्ली, 12 मार्च (निस) जम्मू-कश्मीर आतंकी वित्तपोषण मामले में एक अहम घटनाक्रम में सुप्रीम कोर्ट ने कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर अहमद शाह को जमानत दे दी है। कोर्ट ने कहा कि जमानत की विस्तृत शर्तें जल्द जारी की जाएंगी और यह साफ किया कि शाह की रिहाई इन शर्तों के अनुपालन पर निर्भर होगी।

चलती बस में आग लगी

रांची, 12 मार्च (निस) झारखंड के रांची से छत्तीसगढ़ जा रही एक एसी बस में बुधवार को अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग ने कुछ ही मिनटों में पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। हालांकि ड्राइवर की सूझबूझ और तत्परता से सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

संसद में एलपीजी गैस मामले को लेकर जोरदार हंगामा, राहुल व हरदीप पुरी में टकराव

स्पीकर ने विषय से भटकने पर रोका, पुरी बोले-देश में गैस की कमी नहीं, अफवाहें न फैलाएं

नई दिल्ली, 12 मार्च (निस) लोकसभा में गुरुवार को एलपीजी संकट को लेकर जोरदार हंगामा देखने को मिला। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने देश में गैस सिलेंडर की कथित कमी और ऊर्जा सुरक्षा का मुद्दा उठाया, जिस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को हस्तक्षेप करना पड़ा और उन्होंने राहुल गांधी को नोटिस में दिए गए विषय तक सीमित रहने को कहा। सदन में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा, कि देश में एलपीजी संकट की स्थिति बनती दिख रही है। उन्होंने कहा, अभी तो दर्द की शुरुआत हुई है। कई रेस्टोरेंट बंद हो रहे हैं, सड़क किनारे के विक्रेता प्रभावित हो रहे हैं और एलपीजी को लेकर लोगों में घबराहट है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी देश की मजबूत नींव उसकी ऊर्जा सुरक्षा होती है और इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि यदि अमेरिका यह तय करे कि भारत रूस से तेल या गैस खरीद सकता है या नहीं, तो यह स्थिति समझ से परे है। इसी दौरान उन्होंने एक अन्य विवादित मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा कि तेल मंत्री खुद किसी समय एपस्टीन को अपना दोस्त बता चुके हैं। इस टिप्पणी के बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। हंगामा देख स्पीकर ओम बिरला ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए राहुल गांधी से कहा कि वे केवल उसी विषय पर बोलें, जिसके लिए उन्होंने नोटिस दिया है। उन्होंने कहा कि यदि किसी अन्य मुद्दे पर चर्चा करनी है तो उसके लिए अलग से नोटिस देना होगा। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी। हंगामे के बीच स्पीकर ने पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी को जवाब देने के लिए आमंत्रित किया। पुरी ने कहा कि देश में एलपीजी, पेट्रोल या डीजल की कोई कमी नहीं है और विपक्ष अनावश्यक रूप से माहौल बना रहा है। उन्होंने बताया कि भारत के पास पर्याप्त कच्चे तेल का भंडार है और कई स्रोतों से ईंधन की आपूर्ति जारी है। पुरी ने कहा कि भारत को कनाडा, नॉर्वे और रूस से ईंधन मिल रहा है। इसके अलावा एलपीजी उत्पादन में करीब 28 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। उन्होंने बताया कि वैकल्पिक ईंधन चैनलों को सक्रिय कर दिया गया है और देशभर **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

पीएम ने फिर कहा-एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक, घबराएं नहीं, विशेष समीक्षा कमेटी का गठन

नई दिल्ली 12 मार्च (निस)। देश में एलपीजी सप्लाई को लेकर फैली अफवाहों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता से शांति बनाए रखने और पैनिक न करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण ऊर्जा की सप्लाई चेन प्रभावित हुई है, लेकिन हमारी सरकार संकट से निपटने में सक्षम है। पीएम मोदी ने तमिलनाडु में एनडीए की मीटिंग के दौरान सभी से सही जानकारी साझा करने और बिना पुष्टि के अफवाहें न फैलाने का आग्रह किया।वहीं केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एलपीजी सप्लाई पर नजर रखने के लिए कंट्रोल रूम बनाए हैं। मंत्रालय का कहना है कि घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पहले की तरह जारी है और पैनिक खरीद से स्थिति प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा और अन्य राज्यों में जिला प्रशासन लोगों को अफवाहों से बचने की सलाह दे रहा है। केंद्र सरकार ने पहले ही एस्मा लागू किया है, इसके तहत घरेलू गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता दी जाती है और बीते छह महीनों के औसत के अनुसार सप्लाई बनाए रखने का निर्देश है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और पेट्रोलियम मंत्रालय के साथ मिलकर फैक्ट चेक करने और सही सूचना देने का काम शुरु कर दिया है। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और पुलिस प्रमुखों के साथ बैठक कर कानून व्यवस्था और अफवाहों से उत्पन्न हालात को संभालने के लिए दिशा-निर्देश दिए हैं। वहीं पीएम मोदी ने कोरोना महामारी के दौर का उदाहरण देकर कहा कि तब 140 करोड़ भारतीयों ने देश की मजबूती दिखाई थी और अब भी हम इस संकट से जल्द ही उबर जाने वाले है। उन्होंने दोहराया कि सरकार की प्राथमिकता सभी नागरिकों के हितों की रक्षा करना है और किसी भी तरह के पैनिक की जरूरत नहीं है। जनता से अपील की गई है कि केवल सत्यापित सूचना को साझा करें और अफवाहों को आगे न बढ़ाएं। इस तरह, प्रशासन और केंद्र सरकार मिलकर एलपीजी संकट को नियंत्रित करने और लोगों को सही जानकारी देने में सक्रिय हैं। **पेट्रोल-डीजल संकट पर एक्शन मोड में आई सरकार, हाई-लेवल कमेटी का किया गठन, ये मंत्री संभालेंगे कमान**-देशभर में पेट्रोल-डीजल की किल्लत को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार ने एक खास कमेटी का गठन **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

गैस संकट को लेकर संसद परिसर में विपक्ष का जोरदार प्रदर्शन

नई दिल्ली 12 मार्च (निस): ईरान और इजरायल-अमेरिका युद्ध के बीच देश में उपजे गैस सिलेंडर संकट के मुद्दे को लेकर गुरुवार को संसद परिसर में विपक्षी दलों के सांसदों ने प्रभावी प्रदर्शन करते हुए नरेंदर भी गायब, सिलेंडर भी गायब जैसे नारे लगाए। इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित कई विपक्षी सांसद शामिल हुए। संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने गैस सिलेंडर संकट को लेकर सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित कई विपक्षी सांसद शामिल हुए। सांसदों ने बैनर के साथ ही हाथों में तख्तियां लेकर और नारे लगाकर सरकार पर निशाना साधा। इस दौरान नरेंदर भी गायब, सिलेंडर भी गायब के नारे संसद परिसर में गूंजते रहे। प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री लगातार देश से कह रहे हैं कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन उनके व्यवहार से ऐसा लगता है कि वे खुद घबराए हुए हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री अलग-अलग कारणों से दबाव में दिखाई दे रहे हैं। प्रधानमंत्री कहते हैं कि घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन वे खुद घबराए हुए लग रहे हैं।वे कह रहे हैं कि चिंता मत करो, जबकि वे खुद परेशान दिख रहे हैं। सरकार को देश में उत्पन्न सिलेंडर संकट पर कुछ करना चाहिए।

राहत की खबर : कतर में फंसे सैंकड़ों भारतीयों की हुई सुरक्षित वापसी, भारत आएंगी दो और उड़ानें

नई दिल्ली 12 मार्च (निस): भारतीय दूतावास ने कहा है कि कतर में फंसे 500 से ज्यादा भारतीयों को नई दिल्ली और अन्य स्थानों पर पहुंचाया गया है। दूतावास ने पश्चिम एशियाई देश में अब भी फंसे लोगों को किसी भी अज्ञात वस्तु, मलबे या टुकड़ों के पास ना जाने की चेतावनी दी है। कतर स्थित भारतीय दूतावास ने एक्स पर सलाह दी कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच कतर एयरवेज गुरुवार को भारत के लिए दो उड़ानें संचालित कर रहा है। दूतावास ने कहा कि कतर में फंसे 500 से ज्यादा भारतीय 11 मार्च को कतर एयरवेज की उड़ानों से नई दिल्ली और अन्य स्थानों के लिए रवाना हुए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संघर्ष के कारण उड़ानें रद्द होने से दुबई में फंसे ओडिशा के 35 पर्यटक बुधवार को सुरक्षित लौट आए। सीएमओ के बयान के मुताबिक फंसे हुए पर्यटकों में से नौ पर्यटक 7 मार्च को केरल के कोच्चि होते हुए भुवनेश्वर आए बाकी पर्यटक 8 मार्च को मुंबई होते हुए विशेष उड़ान से भुवनेश्वर पहुंचे। सीएम मोहन चरण माझी ने इस बात पर चिंता जताई कि क्षेत्र में जारी संघर्ष के कारण पश्चिम एशिया में ओडिशा के कई लोग फंसे हैं। सीएमओ ने बताया कि सीएम माझी ने उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने की जरुरत पर जोर देते हुए मुख्य सचिव अनु गर्ग को स्थिति पर बारीकी से नजर रखने और उडिया लोगों की वापसी को सुविधाजनक बनाने के लिए जरुरी कदम उठाने का निर्देश दिया। वहीं, विपक्षी दलों ने विधानसभा में ओडिशा सरकार पर खाड़ी देशों में जारी संघर्ष के बीच फंसे राज्य के लोगों के प्रति कोई चिंता न दिखाने का आरोप लगाया। रिपोर्ट के मुताबिक मुख्य सचेतक प्रमिला मलिक और प्रताप केशरी देब द्वारा लाए गए स्थगन प्रस्ताव में इस मुद्दे पर बहस हुई। बीजू जनता दल (बीजद) विधायक अरुण कुमार साहू ने पूछा कि क्या राज्य सरकार के पास युद्ध के बीच फंसे उडिया लोगों को वापस लाने की कोई योजना है? खाड़ी देशों में रह रहे लोगों के परिवार गंभीर मानसिक तनाव में हैं।

फारुक अब्दुल्ला पर हमले को लेकर खड़गे व नड्डा ने चिंता जताई, कहा-गंभीर मामला

नई दिल्ली, 12 मार्च (निस) संसद में कई सांसदों ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला पर हुए हमले का मुद्दा उठाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूर्व जम्मू-कश्मीर सीएम की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और केंद्र सरकार द्वारा स्थानीय पुलिस पर नियंत्रण को मुद्दा बनाया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने इसका खंडन करते हुए इसे एक गंभीर मामला बताया और जांच का आश्वासन दिया। खड़गे ने कहा कि फारूक अब्दुल्ला की सुरक्षा को खतरा है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर पहले एक पूर्ण विकसित राज्य था और अब पुलिस केंद्र के नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि स्थानीय सुरक्षाकर्मियों ने उनकी जान बचाई और पूछा, क्या सरकार का यही इरादा था कि एनसी नेता की हत्या की जाए?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नड्डा ने कहा कि पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला पर जानलेवा हमला चिंता का विषय और एक गंभीर मामला है और इसकी उचित जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और एनसी नेता फारुक अब्दुल्ला की सुरक्षा बढ़ाने के लिए जरुरी कदम उठाए जाएंगे। नड्डा ने कहा कि हर मामले को राजनीतिक रंग नहीं देना चाहिए और सरकार के खिलाफ खड़गे के आरोपों की कड़ी आलोचना की।नेशनल कॉन्फ्रेंस के चौधरी मोहम्मद रमजान ने भी फारूक अब्दुल्ला पर हुए हमले का मुद्दा उठाया।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाएगा विपक्ष

नई दिल्ली, 12 मार्च (निस) मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए विपक्ष बड़ी तैयारी में लगा हुआ है। दोनों सदनों के विपक्षी सांसद इस मामले में एकजुट हैं। महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए लोकसभा के करीब 120 सांसद और राज्यसभा के 60 सांसदों ने नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। बताया जा रहा है कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्षी अभियान की अगुवाई तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक सांसद कर रहे हैं।दरअसल पश्चिम बंगाल में आने वाले दिनों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके पहले राज्य में एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर सीएम ममता बनर्जी चुनाव आयुक्त कुमार के खिलाफ मुखर भी है। विपक्ष एक के नेता ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि नोटिस की दो अलग-अलग कॉपी शुक्रवार तक लोकसभा और राज्यसभा में जमा होगी। विपक्षी पार्टियां कुमार के खिलाफ सात खास आरोप लिस्ट तैयार करेंगी।

भारत की कूटनीति रंग लाई, कच्चा तेल लेकर आ रहा पोत सुरक्षित रुप से मुम्बई बंदरगाह पहुंचा

नई दिल्ली, 12 मार्च (निस) ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच छिड़ी भीषण जंग ने इस वक्त पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को हिलाकर रख दिया है। विशेष रूप से सामरिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज (हॉर्मुज जलडमरूमध्य) वर्तमान में युद्ध का अखाड़ा बना हुआ है, जहाँ से वैश्विक तेल आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। इस क्षेत्र में लगातार तेल टैंकरों को निशाना बनाए जाने और उन्हें डुबोए जाने की खबरों के बीच पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट को लेकर हाहाकार मचा है। लेकिन इस भीषण तनाव के बीच भारत ने अपनी सधी हुई और दूरदर्शी कूटनीति के दम पर एक असंभव लगने वाले कार्य को संभव कर दिखाया है। लाइबेरियाई झंडे वाला विशाल तेल टैंकर शेनलोंग, जो सऊदी अरब से कच्चा तेल लेकर आ रहा था, सुरक्षित रूप से हॉर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर मुंबई बंदरगाह पहुंच गया है। यह घटना इसलिए असाधारण है क्योंकि युद्ध शुरू होने के बाद भारत की ओर आने वाला यह पहला जहाज है, जिसने इस खतरनाक समुद्री रास्ते से निकलकर अपनी मंजिल तय की है।

आय के आधार पर क्रीमीलेयर का स्टेटस तय नहीं कर सकते-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली 12 मार्च (निस): सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि कोई उम्मीदवार अन्य पिछड़ा वर्ग के क्रीमी लेयर में आता है या नॉन-क्रीमी लेयर में यह सिर्फ आमदनी के आधार पर तय नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ इनकम ब्रैकेट के आधार पर क्रीमी लेयर का स्टेटस तय करना, पोस्ट की कैटेगरी और स्टेटस पैरामीटर का जिक्र किए बिना, कानून में साफ तौर पर टिकने लायक नहीं है। बता दें क्रीमी लेयर में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के ज्यादा अमीर और सामाजिक रूप से आगे रहने वाले सदस्य आते हैं जिन्हें सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण के दायरे से बाहर रखा गया है। यह नियम इंद्रा साहनी बनाम यूनियन ऑफ इंडिया केस के बाद आया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी आरक्षण को सही ठहराया था, लेकिन अमीर तबकों को बाहर रखने का आदेश दिया था। बाद में सरकार ने ऐसे समूहों की पहचान करने के लिए 1993 में नियम बनाए।

सीएम मान आज उदघाटन करेंगे जबकि केजरीवाल मुख्य अतिथि होंगे

प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन नई संभावनाओं के साथ आज से मोहाली में आयोजित होगा-अरोड़ा

चंडीगढ़, 12 मार्च (निस)उद्योग एवं वाणिज्य, निवेश प्रोत्साहन, बिजली तथा स्थानीय निकायों से संबंधित कैबिनेट मंत्री संजिव अरोड़ा ने आज घोषणा की कि प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन 2026 13 से 15 मार्च तक प्लाक्षा यूनिवर्सिटी, एसएएस नगर (मोहाली) में आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन पंजाब को निवेश और नवाचार के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन भारत और विश्व भर के निवेशकों, उद्योगपतियों और नीति निर्माताओं को पंजाब में उपलब्ध व्यापक निवेश अवसरों को प्रदर्शित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए श्री संजीव अरोड़ा ने बताया कि इस सम्मेलन में कुल 89 सत्र आयोजित किए जाएंगे और यह राज्य में अब तक आयोजित सबसे व्यापक निवेश कार्यक्रमों में से एक होगा।उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में यूनाइटेड किंगडम, जापान और दक्षिण कोरिया पर केंद्रित विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही एक समर्पित एमएसएमई सत्र भी आयोजित होगा। सेक्टोरल इंडस्ट्री कमेटियों की बैठकों के अलावा उभरते हुए आईटी हब के रूप में मोहाली की भूमिका, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों से संबंधित विशेष सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।सम्मेलन के दौरान एक औद्योगिक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिसमें पंजाब के उद्योगों द्वारा तैयार उत्पादों और नवाचारों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके माध्यम से राज्य की विनिर्माण क्षमता और उद्यमशीलता की भावना को उजागर किया जाएगा।

श्री अरोड़ा ने बताया कि अरविंद केजरीवाल इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान कल सुबह 10:30 बजे सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन सत्र सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक चलेगा। इसके बाद दोपहर का भोजन तथा विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम का समापन समारोह 15 मार्च को आयोजित किया जाएगा।मंत्री ने कहा कि इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए दुनिया भर से प्रतिनिधि और निवेशक पहुंच रहे हैं। हालांकि मध्य पूर्व के कुछ प्रतिभागी उड़ानों में व्यवधान के कारण यात्रा नहीं कर सके हैं, फिर भी आमंत्रित किए गए अधिकांश अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के सम्मेलन में शामिल होने की उम्मीद है।उन्होंने आगे कहा कि यह कार्यक्रम नई औद्योगिक और व्यापार विकास नीति के लॉन्च के बाद पंजाब की अपार संभावनाओं को उजागर करेगा, जिसका देश भर के उद्योगपतियों द्वारा व्यापक स्वागत किया गया है। उन्होंने कहा कि उद्यमी पंजाब सरकार द्वारा प्रस्तुत निवेशक-अनुकूल नीतिगत ढांचे की सराहना कर रहे हैं। श्री अरोड़ा ने कहा कि इस सम्मेलन के माध्यम से सरकार चाहती है कि उद्योग जगत के बड़े प्रतिनिधि आपस में तालमेल स्थापित करें और भविष्य में निवेश के लिए पंजाब द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे व्यापक अवसरों से अवगत हों।उन्होंने कहा कि मोहाली तेजी से **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

घरेलू फ्लाइटों पर एयर इंडिया ने 399 रुपये सरचार्ज की बढ़ोतरी की

लखनऊ, 12 मार्च (निस) उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पर ईरान-इस्राइल युद्ध का असर दिख रहा है। अब उड़ानें महंगी हो गई हैं। घरेलू फ्लाइटों पर एयर इंडिया ने 399 रुपये सरचार्ज की बढ़ोतरी कर दी है। बढ़ा हुआ सरचार्ज आज यानी गुरुवार से लागू हो गया है। अन्य एयरलाइंस की ओर से इस लेकर तैयारियां चल रही हैं। सरचार्ज बढ़ोत्तरी के बाद इंटरनेशनल फ्लाइट्स पर 1200 रुपये तक अधिक चुकाना पड़ सकता है।खाड़ी संकट ने लोगों के जीवन पर अब खासा असर डालना शुरू किया है। दरअसल, ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमले और पलटवार ने खाड़ी देशों में तनाव को भड़का दिया है। इस युद्ध के कारण तेल-गैस को लेकर देश में पैनिक जैसी स्थिति है। इराक का एयरस्पेस पूरी तरह बंद किए जाने से अमेरिका यूरोप की कनेक्टिंग फ्लाइट के भी काफी महंगी होने के आसार हैं। एक एयरलाइंस के अधिकारी के अनुसार, युद्ध के बाद भी इराक के एक सिरे से होते हुए इंटरनेशनल फ्लाइट्स जा रही थीं।

कामर्शियल गैस न मिलने से दिल्ली के रेस्तरां एवं कारोबार प्रभावित, 12 संस्थान बंद रखने पड़े

नई दिल्ली 12 मार्च (निस) ईरान और अमेरिका के बीच जारी भीषण सैन्य संघर्ष की तपिश अब देश की राजधानी दिल्ली की रसोई तक पहुंच गई है। वैश्विक तनाव के कारण ईंधन की आपूर्ति बाधित होने से दिल्ली के होटल और रेस्टोरेंट कारोबार पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की भारी कमी के चलते बुधवार को दिल्ली के कम से कम 12 प्रमुख रेस्टोरेंट और खाने-पीने की दुकानों को अस्थायी रूप से अपने शटर गिराने पड़े। सीमित सप्लाई के कारण कई अन्य संचालक भी अपने किचन को चालू रखने के लिए भारी मशक्कत कर रहे हैं। वहीं ये भी बताया जा रहा है कि ब्लैक में एक सिलेंडर की कीमत 5 हजार रुपए चुकाना पड़ रही है। रेस्टोरेंट मालिकों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से कमर्शियल गैस सिलेंडरों का स्टॉक बेहद कम मात्रा में मिल रहा था, जो अब पूरी तरह खत्म हो चुका है। स्टॉक समाप्त होने के कारण कई प्रसिद्ध आउटलेट्स को अपना संचालन बंद करना पड़ा है। इंडिगो हॉस्पिटैलिटी के संस्थापक अनुराग कटियार के अनुसार, स्थिति इतनी गंभीर है कि कई रेस्टोरेंट अब गैस के विकल्प के रूप में इंडक्शन या इलेक्ट्रिक कुकिंग का सहारा लेने की योजना बना रहे हैं ताकि अगले एक-दो दिनों में कामकाज फिर से शुरू किया जा सके। इस संकट के बीच रेस्टोरेंट संचालकों ने गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी के गंभीर आरोप भी लगाए हैं। रेस्टोरेंट संचालक गगनदीप सिंह सप्रा ने सोशल मीडिया पर अपना दर्द साझा करते हुए बताया कि गैस न होने के कारण उन्हें अपना संस्थान बंद करना पड़ा है। उन्होंने खुलासा किया कि ब्लैक मार्केट में एक कमर्शियल सिलेंडर के लिए 5000 रुपये से भी अधिक की मांग की जा रही है। उन्होंने प्रशासन पर सवाल उठाते हुए पूछा कि जब आधिकारिक सप्लाई रुकी हुई है, तो कालाबाजारी करने वालों के पास सिलेंडर कहाँ से आ रहे हैं? ईंधन का यह संकट केवल एलपीजी तक सीमित नहीं है। दरियागंज हॉस्पिटैलिटी के सह-संस्थापक अमित बग्गा ने बताया कि इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने औद्योगिक और व्यावसायिक ग्राहकों के लिए केवल 80 प्रतिशत सप्लाई की ही सलाह जारी की है। पहाड़गंज स्थित मशहूर कश्मीर चुर-चुर नान के मालिक का कहना है कि उनके रेस्टोरेंट को रोजाना 3 से 4 सिलेंडरों की जरूरत होती है, लेकिन स्टॉक खत्म होने से उन्हें ताला लगाना पड़ा।

सम्पादकीय

चुनाव आने को है लेकिन नही भरे गए केबिनेट के 5 पद!

उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार केबिनेट बैठक कर विभिन्न निर्णय तो ले रही है ,लेकिन वास्तव में धामी सरकार की कैबिनेट वर्षों से आधी अधूरी है।केबिनेट के 12 सदस्यों के बजाए मात्र 7 ही वजूद में है और वही केबिनेट निर्णय भी ले रहे है।जिनपर 12 सदस्यों के सापेक्ष मात्र 7 सदस्य होने के कारण सवाल भी उतना स्वाभाविक है।सरकार के स्पष्ट बहुमत में होने के बावजूद ऐसी क्या कमी या परेशानी है ,जो सरकार अपने मंत्रिमंडल को पूरा नही कर पा रही है।जिसे लेकर उत्तराखंड की सियासत एक बार फिर गर्माने लगी है। लंबे समय से कैबिनेट विस्तार का इंतजार कर रहे विधायकों के अरमान बिखरते नज़र आ रहे हैं। पुष्कर सिंह धामी सरकार ने पांच खाली पदों को भरने की तैयारी की तैयारी तो कई बार शुरू की है,लेकिन फिर भी खाली पद भरे नही जा सके। इस साल या अगले वर्ष के शुरू में राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भी कैबिनेट विस्तार अहम माना जा रहा है।राज्य मंत्रिमंडल में फिलहाल पांच पद खाली हैं। इनमें से चार पद लंबे समय से रिक्त चल रहे हैं, जबकि एक पद पूर्व संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के इस्तीफे के बाद पिछले वर्ष खाली हुआ था। भाजपा विधायकों को इन पदों के भरे जाने का बेसब्री से इंतजार है।भाजपा सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जब भी दिल्ली दौरे पर जाते है तो कैबिनेट विस्तार की चर्चाएं तेज हो जाती है। कई बार धामी कह भी चुके है कि उनकी शीर्ष नेतृत्व से अहम बातचीत हुई है। माना जा रहा था कि शीर्ष नेतृत्व की हरी झंडी मिलने के बाद इस पर जल्द फैसला किया जाएगा।लेकिन हर बार मंत्रिमंडल विस्तार ठंडे बस्ते में चला जाता है। मुख्यमंत्री धामी के साथ ही प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने भी इस संबंध में कई बार संकेत दिए है। उन्होंने कहा कि धामी कैबिनेट के खाली पद भरने को लेकर लंबे समय से कवायद जारी है। बातचीत अंतिम चरण में है और जल्द ही रिक्त पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी।जिसे लेकर उत्तराखंड के सियासी गलियारों में कैबिनेट में शामिल किए जाने वाले चेहरों को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। जिन नामों को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं उनमें विधायक खजानदास, मदन कौशिक, प्रदीप बत्रा, विनोद कंडारी, भरत चौधरी, बंशीधर भगत, राम सिंह कैड़ा आदि के नाम शामिल हैं।पुष्कर सिंह धामी से कई विधायकों ने मिलकर अपनी दावेदारी भी की है,वही कई भाजपा हाईकमान का दरवाजा खटखटा चुके है।पिछले दिनों मंत्री पद के दावेदार विधायकों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात भी की है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खुद सोशल मीडिया के जरिए विधायकों से मुलाकात की जानकारी दी थी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मिलने वाले भाजपा विधायकों में गंगोलीहाट विधायक फकीर राम टम्टा, रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी, गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, जागेश्वर विधायक मोहन सिंह माहरा तथा दायित्वधारी कैलाश पंत और रजनी रावत शामिल थे। भाजपा जब सन 2022 में लगातार दूसरी बार सत्ता में आई तो मुख्यमंत्री धामी सहित कुल नौ मंत्रियों ने शपथ ली थी। संवैधानिक प्रावधान के तहत उत्तराखंड में राज्य मंत्रिमंडल में अधिकतम 12 सदस्य हो सकते हैं।अप्रैल 2023 में सामाजिक कल्याण और परिवहन मंत्री चंदन रामदास के निधन के बाद मंत्रिमंडल में आठ सदस्य रह गए थे और प्रेमचंद अग्रवाल के इस्तीफे के बाद यह संख्या घटकर सात पर पहुंच गई। भारतीय जनता पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने स्वयं माना कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव भी अब ज्यादा दूर नहीं है। यह बिल्कुल सही समय है कि मुख्यमंत्री अपने मंत्रिमंडल का विस्तार और उसमें फेरबदल करे।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने माना कि राज्य मंत्रिमंडल के विस्तार का सही समय आ गया है। उन्होंने कहा कि उनकी इस मामले पर मुख्यमंत्री के साथ चर्चा हुई है और वे इस बात पर सहमत हैं कि राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार के लिए यह उपयुक्त समय है। सूत्रों ने बताया कि मंत्रिमंडल विस्तार से पहले पार्टी के केंद्रीय नेताओं की राय लेने के लिए मुख्यमंत्री एक बार फिर दिल्ली जा सकते हैं।अब दिल्ली में उन्हें मंत्री पद के खाली 5 पदों को भरने की अनुमति मिलती है या नही ,यह भाजपा हाईकमान ही बता सकती है,लेकिन इतना जरूर है कि चुनाव की आहट तक पहुंच जाने पर भी मंत्रिमंडल के 5 पदों को न भरा जाना यह दर्शाता है कि शायद धामी सरकार को 5 विधायकों को मंत्री बनाने पर मंत्री बनने से वंचित रहने वाले विधायकों में असंतोष पनपने का डर सता रहा है।इसी कारण ये पद अभी तक भरे नही गए है।

मिथ्या और वास्तविक अहंकार

मिथ्या अहंकार का अर्थ है, इस शरीर को आत्मा मानना। जब कोई यह जान जाता है कि वह शरीर नहीं, अपितु आत्मा है तो वह वास्तविक अहंकार को प्राप्त होता है। अहंकार तो रहता ही है। मिथ्या अहंकार की भर्त्सना की जाती है, वास्तविक अहंकार की नहीं। वैदिक साहित्य में कहा गया है अहं ब्रह्मास्मि- मैं ब्रह्म हूं, मैं आत्मा हूं। 'मै हं' ही आत्म भाव है और यह आत्म साक्षात्कार की मुक्त अवस्था में भी पाया जाता है। 'मै हं' का भाव ही अहंकार है लेकिन जब ' मै हं' भाव को मिथ्या शरीर के लिए प्रयुक्त किया जाता है, तो वह मिथ्या अहंकार होता है। जब इस आत्म भाव (स्वरूप) को वास्तविकता के लिए प्रयुक्त किया जाता है, तो वह वास्तविक अहंकार होता है। ऐसे कुछ दार्शनिक हैं जो यह कहते हैं कि हमें अपना अहंकार त्यागना चाहिए। लेकिन हम अपने अहंकार को त्यागे कैसे? क्योंकि अहंकार का अर्थ है स्वरूप। लेकिन हमें मिथ्या देहात्मबुद्धि का त्याग करना ही होगा। जन्म, मृत्यु, जरा तथा व्याधि को स्वीकार करने के कष्ट को समझना चाहिए। वैदिक ग्रन्थों में जन्म के अनेक वृत्तान्त है। श्रीमद्भागवत में जन्म से पूर्व की स्थिति, माता के गर्भ में बालक के निवास, उसके कष्ट आदि का सजीव वर्णन है। चूंकि हम भूल जाते हैं कि माता के गर्भ में हमें कितना कष्ट मिला है, अतएवं हम जन्म तथा मृत्यु की पुनरावृत्ति का कोई हल नहीं निकाल पाते।

बंगाल में राष्ट्रपति-मुख्यमंत्री टकराव: संविधानिक गरिमा का प्रश्न

--एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

लोकतंत्र में प्रोटोकॉल केवल औपचारिक नियम नहीं होते बल्कि वे संस्थाओं की गरिमा और व्यवस्था को बनाए रखने का माध्यम होते हैं चुनावी मौसम और संवैधानिक टकराव का नया अध्याय - राजनीतिक मतभेदों के बावजूद संवैधानिक मर्यादाओं और संस्थाओं का सम्मान करना लोकतंत्र की मज़बूती का सटीक मंत्र वैश्विक स्तरपर पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर उस मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है,जहाँ संवैधानिक मर्यादाएँ, प्रोटोकॉल, राजनीति और चुनावी रणनीतियाँ एक साथ टकराती नज़र आती हैं। वर्ष 2026 के विधानसभा चुनावों का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और इसी बीच राष्ट्रपति के उत्तर बंगाल दौरे को लेकर पैदा हुआ विवाद राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है। इस विवाद के केंद्र में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और भारतीय प्रधानमंत्री के बीच राजनीतिक टकराव भी दिखाई देता है। एक ओर केंद्र सरकार और सत्तारुड़ पार्टी इसे राष्ट्रपति पद की गरिमा और संविधान के सम्मान से जोड़कर देख रही है, वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल की सीएम इसे चुनाव से पहले की राजनीतिक रणनीति और केंद्र द्वारा राज्य सरकार को घेरने की कोशिश बता रही हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह विवाद केवल प्रोटोकॉल या औपचारिकताओं तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह केंद्र-राज्य संबंधों, संवैधानिक मर्यादाओं और चुनावी राजनीति की जटिलताओं को भी उजागर कर रहा है।लोकतंत्र में प्रोटोकॉल केवल औपचारिक नियम नहीं होते बल्कि वे संस्थाओं की गरिमा और व्यवस्था को बनाए रखने का माध्यम होते हैं।राष्ट्रपति प्रधानमंत्री या अन्य संवैधानिक पदों के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल इसलिए बनाए गए हैं ताकि शासन प्रणाली में अनुशासन और सम्मान बना रहे। यदि इनका पालन नहीं होता तो इससे संस्थागत असंतुलन पैदा हो सकता है।आने वाले महीनों में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की घोषणा होने की संभावना है। ऐसे में यह विवाद चुनावी प्रचार का प्रमुख मुद्दा बन सकता है।सत्ताधारी पार्टी इसे संवैधानिक सम्मान और आदिवासी गौरव के मुद्दे के रूप में प्रस्तुत कर सकती है, जबकि पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी इसे केंद्र की राजनीतिक साजिश बताकर अपने समर्थकों को लामबंद करने की कोशिश करेगी। इस पूरे विवाद में मीडिया की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। विभिन्न समाचार माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर इस घटना को लेकर तीखी बहस छिड़ गई है,कुछ लोग इसे राष्ट्रपति का अपमान मान रहे हैं,जबकि कुछ इसे राजनीतिक विवाद बता रहे हैं।लोकतंत्र में मीडिया जनमत को प्रभावित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है और ऐसे मामलों में उसकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। साथियों बात अगर हम राष्ट्रपति का उत्तर बंगाल दौरा और विवाद की शुरुआत को समझने की करें तो,पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ जब माननीय राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में आयोजित नौवें अंतरराष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने पहुँचीं। यह कार्यक्रम एक निजी संगठन इंटरनेशनल संथाल काउंसिल द्वारा आयोजित किया गया था।मूल रूप से इस सम्मेलन का आयोजन दार्जिलिंग जिले के बिधाननगर क्षेत्र में प्रस्तावित था, जहाँ बड़ी संख्या में संथाल आदिवासी समुदाय के लोगों के पहुँचने की संभावना थी। हालांकि बाद में सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और अन्य प्रशासनिक कारणों का हवाला देते हुए कार्यक्रम स्थल को बदलकर बागडोगरा एयरपोर्ट के पासगोशाईंपुर कर दिया गया।राष्ट्रपति ने स्वयं इस परिवर्तन परअसंतोष व्यक्त किया और कहा कि नया स्थल छोटा था,जिसके कारण हजारों संथाल समुदाय के लोग कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। राष्ट्रपति की यह नाराजगी धीरे-धीरे राजनीतिक विवाद का रूप लेने लगी। साथियों बात अगर हम प्रोटोकॉल का प्रश्न और राष्ट्रपति की नाराजगी को समझने की करें तो राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में इस बात पर भी आश्चर्य व्यक्त किया कि उनके स्वागत के लिए न तो मुख्यमंत्री और न ही राज्य सरकार का कोई वरिष्ठ मंत्री उपस्थित था।उन्होंने यह भी कहा कि व्यक्तिगत रूप से उन्हें इससे कोई शिकायत नहीं है, लेकिन राष्ट्रपति पद के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री को छोटी बहन बताते हुए यह सवाल भी किया कि क्या वे उनसे नाराज हैं?। राष्ट्रपति के इस बयान ने राजनीतिक माहौल को और गर्म कर दिया, क्योंकि यह पहली बार था जब किसी कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने सार्वजनिक रूप से प्रोटोकॉल के पालन पर प्रश्न उठाया। इस बयान के बाद सत्तारुड़ पार्टी ने इसे संवैधानिक गरिमा से जोड़कर मुद्दा बनाया और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। साथियों बात अगर हम प्रधानमंत्री और सत्ताधारी पार्टी की प्रतिक्रिया को समझने की करें तो पीएम ने भी इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी और कहा कि यह केवल राष्ट्रपति का अपमान नहीं बल्कि भारत के संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं का भी अपमान है। उन्होंने यह भी कहा कि द्रौपदी मुर्मू स्वयं आदिवासी समुदाय से आती हैं और उनके विकास के लिए समर्पित हैं, ऐसे में उनके कार्यक्रम में अव्यवस्था होना और राज्य सरकार का उचित सहयोग न मिलना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा नेताओं ने इसे आदिवासी अस्मिता से जोड़ते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने राष्ट्रपति के कार्यक्रम को गंभीरता से नहीं लिया। सत्तारुड़ पार्टी के लिए यह मुद्दा राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण था क्योंकि बंगाल में आदिवासी समुदाय एक महत्वपूर्ण वोट बैंक माना जाता है। साथियों बात अगर हम पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री कापलटवार और राजनीतिक आरोप को समझने की करें तो उन्होंने इन सभी आरोपों को सिरे सेखारिज करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम राज्य सरकार का नहीं बल्कि एक निजी संस्था का आयोजन था।उनके अनुसार राज्य प्रशासन ने पहले ही राष्ट्रपति सचिवालय को यह सूचित कर दिया था कि आयोजकों की तैयारी पर्याप्त नहीं है और इतनी बड़ी सभा को संभालने की क्षमता उनके पास नहीं है।उन्होंने यह भी कहा कि यदि राष्ट्रपति साल में एक बार किसी कार्यक्रम में आती हैं तो वे स्वयं स्वागत केलिए जा सकती हैं,लेकिन यदि चुनाव से पहले बार-बार कार्यक्रम होते हैं तो हर बार उपस्थित रहना संभव नहीं है। सत्ताधारी पार्टी पर आरोप लगाया कि राष्ट्रपति के पद का उपयोग राजनीतिक लाभ के लिए किया जा रहा है। ममता बनर्जी का यह बयान राजनीतिक दृष्टि से बेहद तीखा माना गया क्योंकि उन्होंने यहाँ तक कह दिया कि राष्ट्रपति सत्ताधारी पार्टी की नीतियों और निर्देशों से प्रभावित होकर कार्य कर रही हैं।

वैश्विक युद्धोन्माद के बीच विश्व शांति की पुकार

- ललित गर्ग

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद विश्व ने एक ऐसी व्यवस्था बनाने की कोशिश की थी जिसमें शक्ति को नियमों और संस्थाओं के माध्यम से नियंत्रित किया जा सके। लगभग आठ दशकों तक यह वैश्विक व्यवस्था अनेक उतार-चढ़ावों के बावजूद किसी-न-किसी रूप में कायम रही। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, बहुपक्षीय समझौते, कूटनीतिक संवाद और साझा नियम-इन सबका उद्देश्य यही था कि दुनिया 'मत्स्य-न्याय' यानी शक्तिशाली द्वारा कमजोर को निगल जाने की प्रवृत्ति से बची रहे। इसी सोच के तहत युनाइटेट नेशनस्, वर्ल्ड ट्रेड ऑरगेनाइजेशन, वर्ल्ड हेल्थ ऑरगेनाइजेशन, यूनेस्को और अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों की स्थापना हुई। इन संस्थाओं ने विश्व राजनीति को पूरी तरह आदर्श नहीं बनाया, लेकिन उन्होंने कम-से-कम इतना अवश्य सुनिश्चित किया कि शक्ति के साथ नियम और नैतिकता का एक आवरण बना रहे। परंतु आज यह व्यवस्था अभूतपूर्व संकट के दौर से गुजर रही है। विश्व राजनीति में एक नया रुझान तेजी से उभर रहा है जिसमें सहयोग, संवाद और बहुपक्षीयता की जगह एकपक्षीय कार्रवाई, सैन्य शक्ति और त्वरित लाभ की मानसिकता को प्राथमिकता दी जा रही है। विशेष रूप से डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में अमेरिका की नीतियों ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। जो देश कभी वैश्विक नियम-आधारित व्यवस्था का प्रमुख निर्माता और संरक्षक था, वही अब अनेक अंतरराष्ट्रीय समझौतों और संस्थाओं से दूरी बनाता दिखाई देता है। ट्रंप के पहले कार्यकाल में ही यह संकेत मिल गया था जब अमेरिका ने पेरिस क्लाइमेंट अग्रीमेंटस्, इरान न्यूक्लियर डील्स्, विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनेस्को जैसी संस्थाओं से खुद को अलग करने की प्रक्रिया शुरू की। इन कदमों का संदेश यह था कि यदि किसी समझौते से तात्कालिक राष्ट्रीय हित प्रभावित होते हैं तो उसे छोड़ देना ही बेहतर है। इससे वैश्विक सहयोग की उस भावना को गहरा आघात पहुंचा, जो दशकों से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की आधारशिला रही है। आज स्थिति और भी जटिल हो गई है। दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध और संघर्ष सामान्य घटनाओं की तरह स्वीकार किए जाने लगे हैं। चार वर्षों से जारी रुस-यूक्रेन युद्ध और दो वर्षों से चल रहा गाजा युद्ध इसका सबसे दुखद एवं विडम्बनापूर्ण उदाहरण हैं। इन संघर्षों ने लाखों लोगों के जीवन को संकट में डाल दिया है, शहरों को खंडहर में बदल दिया है और वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर बना दिया है। युद्ध की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि वह किसी स्थायी समाधान की ओर नहीं ले जाता। युद्ध में विजय का दावा करने वाले भी अंततः विनाश और पीड़ा के साथ ही जीते हैं। इतिहास गवाह है कि युद्ध ने कभी भी मानवता को गौरव नहीं दिया; उसने केवल तबाही, भय और अस्थिरता को जन्म दिया है। युद्ध के परिणामस्वरूप पर्यावरण का भारी नुकसान होता है, आर्थिक संसाधन नष्ट हो जाते हैं, महंगाई बढ़ती है, रोजगार के अवसर घटते हैं और समाज में असुरक्षा तथा अविश्वास की भावना गहरी हो जाती है। आज विश्व के सामने सबसे बड़ी चिंता यह है कि युद्ध और हिंसा धीरे-धीरे सामान्यीकृत होते जा रहे हैं। अनेक बार युद्ध का उद्देश्य वास्तविक समाधान नहीं बल्कि घरेलू राजनीति में छवि निर्माण, शक्ति प्रदर्शन या आंतरिक संकटों से ध्यान हटाना बन जाता है। ऐसी परिस्थितियों में वैश्विक नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून दोनों कमजोर पड़ते हैं। यदि शक्तिशाली देश ही नियमों को तोड़ने लगें तो पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता खतरे में पड़ जाती है। मानवाधिकारों के प्रश्न पर भी दोहरे मानदंड दिखाई देते हैं। किसी एक देश की आलोचना की जाती है, लेकिन उसी तरह के कृत्यों पर दूसरे देशों के संदर्भ में चुप्पी साध ली जाती है। इससे मानवाधिकार एक सार्वभौमिक मूल्य के बजाय भू-राजनीतिक बहस का उपकरण बन जाते हैं। यदि विश्व समुदाय वास्तव में मानवता की रक्षा करना चाहता है तो उसे हर देश के लिए समान मानदंड अपनाने होंगे। इन परिस्थितियों में यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या दुनिया फिर से उस दौर की ओर बढ़ रही है जहां जिसकी लाठी उसकी भैंस ही अंतरराष्ट्रीय राजनीति का नियम बन जाएगा। यह केवल छोटे देशों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी मानव सभ्यता के लिए गंभीर खतरा होगा। भारत का ऐतिहासिक दृष्टिकोण इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्वतंत्रता के बाद से भारत ने संप्रभुता, गैर-हस्तक्षेप और बहुपक्षीय सहयोग की नीति का समर्थन किया है। भारत का यह विश्वास रहा है कि वैश्विक समस्याओं का समाधान केवल सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। यही कारण है कि भारत ने हमेशा शांति, संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। आज जब विश्व व्यवस्था डगमगा रही है, तब भारत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न केवल एक उभरती आर्थिक शक्ति है बल्कि एक ऐसी सभ्यता का प्रतिनिधि भी है जिसने सदियों से अहिंसा, सह-अस्तित्व और मानवता के मूल्यों को महत्व दिया है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने बढ़ते वैश्विक प्रभाव का उपयोग विश्व शांति की दिशा में और अधिक सक्रिय रूप से करें। पिछले वर्षों में भारत ने कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शांति, सहयोग और विकास की बात को प्रमुखता से उठाया है।

फूहड़ कंटेंट, सोशल मीडिया और संस्कृति: आखिर जिम्मेदारी किसकी

- डॉ. प्रियंका सौरभ

डिजिटल युग ने हमारे समाज की संरचना, सोच और अभिव्यक्ति के तरीकों को गहराई से बदल दिया है। आज मोबाइल फोन और इंटरनेट के माध्यम से कोई भी व्यक्ति कुछ ही सेकंड में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने अभिव्यक्ति को लोकतांत्रिक बनाया है—जहां पहले मनोरंजन और प्रसिद्धि के अवसर सीमित लोगों तक होते थे, वहीं अब हर व्यक्ति के पास अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच है। लेकिन इस नए अवसर के साथ कई नई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। इन चुनौतियों में सबसे बड़ी बहस उस कंटेंट को लेकर है जिसे समाज का एक वर्ग फूहड़ या अशोभनीय मानता है। पिछले कुछ वर्षों में सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो तेजी से वायरल होते देखे गए हैं जिनमें डांस, अभिनय या मनोरंजन के नाम पर ऐसे हाव-भाव और प्रस्तुति दिखाई जाती है जिन्हें कई लोग सांस्कृतिक मूल्यों के विरुद्ध मानते हैं। इन वीडियो को लाखों व्यूज, लाइक्स और शेयर मिलते हैं, जिससे वे और अधिक लोगों तक पहुंचते हैं। लोकप्रियता की इस दौड़ में कई बार कंटेंट की गुणवत्ता और सामाजिक जिम्मेदारी पीछे छूट जाती है।समाज के एक बड़े वर्ग का मानना है कि इस प्रकार के कंटेंट का प्रभाव विशेष रूप से युवाओं और किशोरों पर पड़ता है। जब वे देखते हैं कि कुछ लोग केवल कुछ सेकंड के वीडियो बनाकर अत्यधिक प्रसिद्धि और आर्थिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं, तो उनके मन में भी वैसा ही करने की इच्छा पैदा हो सकती है। कई बार यह प्रेरणा रचनात्मक दिशा में जाती है—जैसे संगीत, कला, नृत्य या शिक्षा से जुड़े कंटेंट बनाना। लेकिन कई मामलों में यह प्रेरणा केवल वायरल होने की दौड़ में बदल जाती है, जहां ध्यान आकर्षित करने के लिए किसी भी प्रकार का तरीका अपनाया जाता है। यह भी देखा गया है कि सोशल मीडिया पर ट्रेंड और एल्गोरिद्म का बहुत बड़ा प्रभाव होता है। जो कंटेंट अधिक देखा और साझा किया जाता है, वही तेजी से फैलता है। ऐसे में यदि दर्शक बार-बार उसी प्रकार के वीडियो देखते हैं जिन्हें वे स्वयं फूहड़ कहते हैं, तो अनजाने में वे उसी प्रवृत्ति को बढ़ावा भी दे रहे होते हैं। इसलिए केवल कंटेंट बनाने वालों को दोष देना इस समस्या का पूरा समाधान नहीं है। दर्शक भी इस डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। दूसरी ओर, यह तर्क भी सामने आता है कि कला और मनोरंजन की अपनी स्वतंत्रता होती है। नृत्य, अभिनय और अभिव्यक्ति के कई रूप होते हैं, और हर व्यक्ति उन्हें अलग-अलग तरीके से देखता है। जो एक व्यक्ति को अनुचित लगता है, वही दूसरे के लिए केवल मनोरंजन या कला का एक रूप हो सकता है। इसी कारण इस विषय पर समाज में तीखी बहस देखने को मिलती है। कुछ लोग इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा मानते हैं, जबकि अन्य इसे सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों के क्षरण के रूप में देखते हैं।

यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है—क्या किसी भी प्रकार की लोकप्रियता को सफलता का मानक माना जाना चाहिए? सोशल मीडिया ने प्रसिद्धि प्राप्त करने की प्रक्रिया को बहुत तेज कर दिया है। पहले किसी कलाकार को पहचान पाने में वर्षों लग जाते थे; आज एक वायरल वीडियो किसी को रातों-रात स्टार बना सकता है। लेकिन यह त्वरित प्रसिद्धि कई बार स्थायी नहीं होती और इसके सामाजिक प्रभाव भी जटिल हो सकते हैं। कई युवा इस भ्रम में पड़ सकते हैं कि केवल विवादास्पद या ध्यान आकर्षित करने वाला कंटेंट ही सफलता का रास्ता है। परिणामस्वरूप वे अपनी प्रतिभा को विकसित करने की बजाय तात्कालिक लोकप्रियता के पीछे भागने लगते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल व्यक्तिगत विकास को प्रभावित करती है, बल्कि समाज में मनोरंजन की गुणवत्ता पर भी असर डालती है। संस्कृति की बात करें तो यह किसी एक व्यक्ति या एक पीढ़ी की देन नहीं होती। संस्कृति सदियों के अनुभव, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों से बनती है। इसमें परिवर्तन भी होता रहता है—क्योंकि हर युग अपने साथ नए विचार और नए रूप लेकर आता है। लेकिन परिवर्तन और अतिरेक के बीच संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है। जब मनोरंजन का उद्देश्य केवल सनसनी या ध्यान आकर्षित करना बन जाए, तो समाज में यह चिंता स्वाभाविक है कि कहीं हम अपने मूल्यों से दूर तो नहीं जा रहे।

इस संदर्भ में परिवार, शिक्षा और समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। बच्चों और युवाओं को यह समझाना जरूरी है कि इंटरनेट पर दिखने वाली हर चीज़ अनुकरण के योग्य नहीं होती। डिजिटल साक्षरता—यानी यह समझ कि ऑनलाइन दुनिया कैसे काम करती है—आज के समय की बड़ी आवश्यकता बन गई है। यदि युवा यह समझ पाएँ कि एल्गोरिद्म कैसे काम करते हैं, व्यूज और लाइक्स कैसे बढ़ते हैं, और किस प्रकार का कंटेंट उन्हें प्रभावित कर सकता है, तो वे अधिक जागरूक निर्णय ले सकेंगे। कंटेंट क्रिएटर्स की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। जो लोग लाखों दर्शकों तक पहुंच रखते हैं, उनके पास समाज को प्रभावित करने की शक्ति भी होती है। यदि वे अपनी लोकप्रियता का उपयोग सकारात्मक संदेश, रचनात्मक कला और प्रेरणादायक सामग्री के लिए करें, तो वही सोशल मीडिया समाज के लिए एक सशक्त मंच बन सकता है। कई उदाहरण ऐसे भी हैं जहां क्रिएटर्स ने शिक्षा, लोक संस्कृति, भाषा और परंपराओं को बढ़ावा देने का काम किया है और लाखों लोगों को प्रभावित किया है।

इसलिए समाधान केवल विरोध या बहिष्कार में नहीं, बल्कि संतुलित दृष्टिकोण में है। समाज को यह तय करना होगा कि वह किस प्रकार के कंटेंट को बढ़ावा देना चाहता है। यदि दर्शक रचनात्मक, ज्ञानवर्धक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध सामग्री को अधिक समर्थन देंगे, तो स्वाभाविक रूप से वही कंटेंट अधिक दिखाई देगा। सोशल मीडिया का एल्गोरिद्म अंततः दर्शकों की पसंद पर ही निर्भर करता है। इसके साथ ही प्लेटफॉर्म कंपनियों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे ऐसे मानक और नीतियाँ विकसित करें जो समाज के व्यापक हितों का ध्यान रखें।

नॉर्थईस्टर्न लोग गंदे कहने वाले दंपती की जमानत याचिका पर फैसला टला

नई दिल्ली 12 मार्च (निस) दिल्ली की एक अदालत ने मालवीय नगर नस्लीय टिप्पणी मामले में आरोपी दंपती हर्ष प्रिया सिंह और रूबी जैन की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। दंपती पर पूर्वोत्तर की महिलाओं को नस्लीय गालियां देने का आरोप है। बचाव पक्ष ने इसे सहज विवाद बताया है। दिल्ली की एक अदालत ने पूर्वोत्तर की महिलाओं पर नस्लीय टिप्पणियों के आरोपी दंपती की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को आरोपी दंपती की जमानत याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समर विशाल ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं और मंगलवार के लिए आदेश सुरक्षित रखा। आरोपी हर्ष प्रिया सिंह और रूबी जैन को 25 फरवरी को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। आरोप है कि उन्होंने दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर की तीन महिलाओं पर नस्लीय गालियां दीं। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। आरोपियों के वकील गौरव ने तर्क दिया कि यह मामला केवल पड़ोसियों के बीच हुए सहज विवाद का है, जिसमें दोनों पक्षों ने आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि यह अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत नस्लीय भेदभाव का मामला नहीं है, क्योंकि आरोपी यह नहीं जानते थे कि शिकायतकर्ता आदिवासी हैं। उन्होंने कहा कि आरोपी ने शिकायतकर्ताओं की जनजातीय पहचान को लक्षित करने वाली कोई भाषा नहीं इस्तेमाल की।

दिल्ली में यमुना के बढ़ते जलस्तर और बाढ़ से बचाव की तैयारी

नई दिल्ली 12 मार्च (निस) दिल्ली में यमुना के बढ़ते जलस्तर और बाढ़ के खतरे को देखते हुए मजनू का टीला से लोहा पुल तक रिंग रोड पर एक बाढ़ रोधी दीवार बनाई जाएगी। 50 करोड़ की लागत से बनने वाली यह 4.72 किलोमीटर लंबी दीवार आईटीओ और सिविल लाइन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को बाढ़ से बचाएगी। मानसून के दिनों में यमुना का जलस्तर बढ़ने से कई क्षेत्रों में बाढ़ का पानी पहुंचने का खतरा रहता है। वर्ष 2023 में बाढ़ आने से आइटीओ और सिविल लाइन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में पानी भर गया था। कई दिनों तक जनजीवन अस्तव्यस्त रहा था। इसी तरह से पिछले वर्ष भी मजनू का टीला व बेला रोड क्षेत्र में रहने वालों को कई दिनों तक परेशानी का सामना करना पड़ा था। इसके समाधान के लिए मजनू का टीला से लेकर कश्मीरी गेट के नजदीक लोहा पुल तक रिंग रोड के किनारे बाढ़ रोधी दीवार बनाने का निर्णय लिया गया है। दिल्ली के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश वर्मा का कहना है कि बाढ़ नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। इस कारण पिछले वर्ष यमुना का जलस्तर 207.88 मीटर तक पहुंचने के बाद भी अधिक समस्या नहीं हुई थी। नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद परेशानी न हो इसे ध्यान में रखकर दीवार बनाने का निर्णय लिया गया है। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 50 करोड़ रुपये की लागत से दीवार का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए निविदा जारी कर दी गई है। दीवार की ऊंचाई लगभग 4.72 किलोमीटर होगी। इसमें से लगभग 850 मीटर अधिक संवेदनशील क्षेत्र में कंक्रीट की दीवार बनेगी। शेष हिस्से में ईंट या पत्थर की होगी। इसकी ऊंचाई लगभग छह फीट होगी। इस दीवार के बनने से यमुना का पानी रिंग रोड व इसके पास के आवासीय क्षेत्र व बाजार में नहीं पहुंचेगा।

मार्च में ही आसमान से बरसने लगी आग............15 मार्च के बाद गर्मी और बडेगी

नई दिल्ली 12 मार्च (निस) मार्च में ही मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा सहित अन्य राज्यों में दिन का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। राजस्थान में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा, सबसे ज्यादा बाढ़मेर में 40.6 डिग्री सेल्सियस रहा। तेज गर्मी के साथ-साथ 2 जिलों में हीटवेव और 19 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट है। मध्य प्रदेश में मार्च के दूसरे हफ्ते से ही तेज गर्मी होने लगी है। ग्वालियर-चंबल में तापमान सामान्य से 6 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा। मौसम विभाग के मुताबिक 15 मार्च के बाद गर्मी और ब?गी। मंगलवार को धार में पारा सबसे ज्यादा 39 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। बाकी शहरों में 34 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। उत्तर प्रदेश में मंगलवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा, लेकिन आज सुबह लखनऊ, कानपुर सहित 15 शहरों में धुंध छाई। इसके कारण शाहजहांपुर में बस-कार की टक्कर में 4 लोगों की मौत हुई। उन्नाव में भी 4 वाहनों की टक्कर में 10 लोग घायल हुए। पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी का अलर्ट है। उत्तराखंड के देहरादून में दिन का तापमान 31 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में दिन का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है।

बेटे के लिए क्यों मांगनी पड़ी इच्छा मृत्यु

नई दिल्ली 12 मार्च (निस) जिंदा होते हुए भी मरणासन्न अवस्था में एक दशक से अधिक समय बिताने के बाद आज सुप्रीम कोर्ट ने गाजियाबाद के हरीश राणा के लिए इच्छा मृत्यु को मंजूरी दे दी है। लंबे समय से हरीश राणा के माता-पिता बेटे के लिए इच्छा मृत्यु की मांग कर रहे थे अपनी संतान के लिए मौत मांगना कितना दर्दनाक होता है यह 31 साल के हरीश राणा के बूढ़े पिता के आंसू ही बता सकते हैं। जिस बेटे को उन्होंने इतने लाड-प्यार से पाला, इंजीनियरिंग कॉलेज की दहलीज तक पहुंचाया। बेटा भी टॉपर बनकर ऊंची उड़ान को तैयार था, पर एक हादसे ने उसे इस हाल में पहुंचा दिया कि मां-बाप ही बेटे के लिए इच्छा मृत्यु मांगने को मजबूर हो गए। हरीश के पिता ने कहा कि अब वह बेटे को दर्द से मुक्ति दिलाना चाहते हैं, जो 13 साल से बिस्तर पर है और उसके ठीक होने की सभी उम्मीदें खत्म हो चुकी हैं। जिंदा होते हुए भी मरणासन्न अवस्था में एक दशक से अधिक समय बिताने के बाद आज सुप्रीम कोर्ट ने गाजियाबाद के हरीश राणा के लिए पैसिव यूथेनेशिया (निष्क्रिय इच्छामृत्यु) को मंजूरी दे दी है। लंबे समय से हरीश राणा के माता-पिता बेटे के लिए इच्छा मृत्यु की मांग कर रहे थे और मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन था। बुधवार को जब कोर्ट ने उनकी अर्जी को मंजूरी दी तो पूरी सोसाइटी में माहौल गमगीन बना हुआ है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने यह फैसला सुनाया, जो न्यायालय के 2018 के कॉमन कॉज निर्णय (जिसे 2023 में संशोधित किया गया था) पर आधारित है, जिसमें गरिमा के साथ मरने को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी गई थी।

अटल यूनिवर्सिटी में मुख्य परीक्षा शुरू, नकल रोकने उडन्दस्ता तैनात, कॉलेजों में बनाए गए विशेष निगरानी दल, परीक्षा केंद्रों पर सख्ती

बिलासपुर 12 मार्च (निस) अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय में मुख्य परीक्षा शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में आयोजित हो रही इस परीक्षा में हजारों छात्र-छात्राएं शामिल हो रहे हैं। परीक्षा को पारदर्शी और नकलमुक्त बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की है। इसके तहत विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर निगरानी बढ़ा दी गई है और नकल प्रकरणों को रोकने के लिए उडन्दस्ता टीम भी तैयार की गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत शैक्षणिक सत्र को समयबद्ध करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में समय पर कोर्स पूरा कराकर मुख्य परीक्षा आयोजित की जा रही है, ताकि निर्धारित समय पर परिणाम भी घोषित किए जा सकें। इसके लिए विश्वविद्यालय ने कॉलेजों को पहले ही आवश्यक निर्देश जारी कर दिए थे।

परीक्षा केंद्रों का होगा औचक निरीक्षण

प्रभारी परीक्षा नियंत्रक रामेश्वर राठौर ने बताया कि परीक्षा के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी या नकल की शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई के लिए उडन्दस्ता दल को सक्रिय रखा गया है। यह दल अलग-अलग परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण करेगा। साथ ही केंद्राध्यक्षों को भी परीक्षा संचालन के दौरान विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा प्रक्रिया को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं।

डॉ. राजेश कुमार सिंह बिलासपुर शिक्षा संभाग में प्रभारी उप संचालक पदस्थ

छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रशासनिक आधार पर आदेश जारी करते हुए डॉ. राजेश कुमार सिंह को शिक्षा संभाग बिलासपुर में प्रभारी उप संचालक के पद पर पदस्थ किया है। आदेश में कहा गया है कि डॉ. राजेश कुमार सिंह, जो मूल रूप से प्राचार्य पद पर कार्यरत हैं और वर्तमान में राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा पेंशनबाड़ा रायपुर में प्रभारी उप संचालक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ थे, उनकी प्रतिनियुक्ति समाप्त कर दी गई है। इसके बाद उन्हें प्रशासनिक आधार पर कार्यालय संयुक्त संचालक, शिक्षा संभाग बिलासपुर में प्रभारी उप संचालक के पद पर अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक पदस्थ किया गया है। प्रशासनिक कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने और शिक्षा विभाग की व्यवस्थाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से यह पदस्थापना की गई है। नए पदस्थापना आदेश के बाद बिलासपुर संभाग में शिक्षा विभाग के प्रशासनिक कार्यों को गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

इन्हें कराया गया है अवगत-स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार अवर सचिव आर.पी. वर्मा द्वारा जारी किया गया है। आदेश की प्रतिलिपि संबंधित अधिकारियों और विभागों को आवश्यक कार्यवाही के लिए भेजी गई है। इसमें लोक शिक्षण संचालनालय, राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा, कलेक्टर रायपुर और बिलासपुर, संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग बिलासपुर तथा जिला शिक्षा अधिकारी बिलासपुर सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को सूचना दी गई है।

संगीतकार विवेक तिवारी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, नाबालिग मंगेतर से रेप के मामले में 6 महीने बंद थे जेल

भोपाल 12 मार्च (निस) राजधानी के बिलखिरिया थाना इलाके में बालश्री पुरस्कार विजेता हारमोनियम वादक संगीतकार विवेक तिवारी द्वारा मंगलवार-बुधवार की रात देर रात अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी किये जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। हादसे की भनक लगने पर परिवार वाले उन्हें अस्पताल लेकर पहुचें जहॉ उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी बुधवार अलसुबह अस्पताल की और से पुलिस को मिली थी, इसके बाद पहुचीं पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी। गौरतलब है की मृतक विवेक तिवारी अपनी नाबालिग मंगेतर के साथ दुष्कर्म के मामले में 6 महीनो से जेल में थे, और 20 दिन पहले ही उनकी रिहाई हुई थी। सूत्रो के मुताबिक पुलिस को सुसाइड नोट मिला है, जिसमें मृतक ने मंगेतर पर फंसाने का आरोप लगाया है। हालांकि नोट मिलने की बात की अधिकारिक पृष्टि नहीं की है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक विवेक तिवारी (24) के खिलाफ नवंबर 2025 में रेप और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ था। आरोप था, कि उसने अपनी नाबालिग मंगेतर के साथ दुष्कर्म किया था। दोनों परिवारों के बीच बातचीत तय हुई थी, उस समय लड़की के बालिग होने के बाद ही शादी किये जाने पर सहमति बनी थी। वहीं मंगेतर के साथ शारीरिक शोषण की शिकायत के बाद पीड़िता के माता-पिता आरोपी के घर पहुंचे थे। इस दौरान युवक की मां और बहन ने उनके साथ मारपीट की थी। इस मामले में युवक के खिलाफ रेप-पॉक्सो और उसकी मां-बहन के खिलाफ मारपीट व धमकी की धाराओं में केस दर्ज किया गया था। रेप के मामले में विवेक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। करीब 6 महीने तक जेल में रहने के बाद 20 दिन पहले ही वह जमानत पर रिहा होकर घर आया था। जेल से बाहर आने के बाद वह काफी मानसिक तनाव के कारण चुपचाप रहता था। मंगलवार-बुधवार की रात देर रात उसने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फिलहाल पुलिस ने मृतक के कमरे को सील कर दिया है। एफएसएल टीम की मौजूदगी में कमरे की तलाशी ली जाएगी। वहीं आगे की जॉच में परिजनों के डिटेल बयान भी दर्ज किये जायेगें।

- परिवार की प्रतिष्ठा के धूमिल होने से था तनाव में

मृतक विवक के पिता गांव में पुजारी हैं। वहीं विवेक हारमोनियम वादन में काफी होनहार था, अपनी कला के चलते उसे राष्ट्रीय स्तर पर बालश्री अवार्ड से भी सम्मानित किया जा चुका था।और वे कई प्रदेशों में हारमोनियम पर प्रस्तुति दे चुके हैं। उसके परिवार की गॉव और समाज में काफी प्रतिष्ठा थी। पुलिस का अनुमान है की युवक इस बात से परेशान रहता था, कि उसके मामले के कारण परिवार की समाज में प्रतिष्ठा काफी खराब हुई है। इस मामले में बिलखिरिया थाने में मामला दर्ज है, और मामले की सुनवाई कोर्ट में चल रही है।

बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में 75 वर्षों से लंबित नेवसा उद्वहन सिंचाई योजना को मिली प्रशासकीय स्वीकृति

बिलासपुर 12 मार्च (निस) बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों के लिए बड़ी खुशखबरी है। लंबे समय से लंबित नेवसा उद्वहन सिंचाई योजना को 48 करोड़ 92 लाख 61 हजार रुपये की लागत से प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस योजना के क्रियान्वयन से क्षेत्र के किसानों को स्थायी सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी और कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी। यह उपलब्धि क्षेत्रीय विधायक सुशांत शुक्ला के सतत प्रयासों और पहल का परिणाम है। उन्होंने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शासन स्तर पर लगातार प्रयास किए और संबंधित विभागों के समक्ष इसे प्रमुखता से उठाया। 75 वर्षों से कई गांव खारंग जलाशय के समीप होने के बावजूद सिंचाई से वंचित थे। नेवसा उद्वहन योजना के तहत लिफ्ट इरिगेशन प्रणाली से जल स्रोत से पानी पंप या मोटर की सहायता से खेतों तक पहुंचाया जाएगा। योजना के अंतर्गत खारंग जलाशय से सोलर पंप एवं पाइपलाइन के माध्यम से लगभग 1800 हेक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस योजना से नेवसा, गिधौरी, कर्रा, जाली, टेकर, गढ़वट, अकलतरी, बाम्हु, बेलतरा, कड़री, सलखा, लिम्हा सहित लगभग 15 गांवों के किसान लाभान्वित होंगे। बेहतर सिंचाई व्यवस्था से क्षेत्र की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। विधायक सुशांत शुक्ला ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव और वित्त मंत्री ओपी चौधरी का आभार व्यक्त किया। क्षेत्र के किसानों ने भी इस पहल के लिए विधायक और राज्य सरकार को धन्यवाद दिया।

महिला दिवस पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं का सम्मान

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बिलासपुर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिका माताओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ योग आयोग के पूर्व सदस्य रविन्द्र सिंह ठाकुर ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं समाज की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा के साथ-साथ महिलाओं के जागरूकता कार्यों में भी अहम योगदान देती हैं। उनके समर्पण और मेहनत के कारण ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव हो पाता है। इस अवसर पर बिलासपुर नगर निगम के पूर्व नेता प्रतिपक्ष और पार्षद रविन्द्र सिंह ठाकुर के साथ वरिष्ठ समाजसेवी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शिवा मुदिलियार, हरीश तिवारी, रामू शुक्ला, चंद्रहास शर्मा, उत्तम चटर्जी, विजय दुबे, चंद्रहास केसरवानी, राघवेंद्र सिंह, संजय दवे, संगीत मोइत्रा, प्रशांत पांडे, दिलीप साहू, बबलू केसरवानी, अजय तिवारी, संतोष चौहान, संदीप मिश्रा, गुड्डू चंदेल, राजेन्द्र विष्ट, राजेश साहू, विजय तिवारी, छोटू बर्डे, विक्की नानवानी, राजेश जोसेफ, मुकेश दुबे, राज चौहान, संजय शुक्ला, सनी चौहान, अजय गोस्वामी, राजा यादव, शिवा मिश्रा, यश सिंह और पप्पू विष्ट सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के योगदान की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह का माहौल सम्मान और उत्साह से भरा रहा।

कलेक्टर ने राजस्व विभाग के काम-काज की समीक्षा की

मरवाही 12 मार्च (निस) कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने आज कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय काम-काज की तहसीलवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने स्वामित्व योजना, वन अधिकार पत्र, नक्शा बटांकन, सीमांकन, भूमि आबंटन सहित सभी राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने और लंबित प्रकरणों को समय सीमा के भीतर निराकृत करने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान पाया गया कि स्वामित्व योजना के तहत 213 गावों में ड्रोन तकनीकि का उपयोग करके भूमि सर्वेक्षण एवं आवासीय जमीनों का सीमांकन तथा 17 गावों में अधिकार पत्र वितरित किया गया है। उन्होंने स्वामीत्व योजना के तहत सर्वेक्षित सभी गावों में मैप एक एवं मैप दो का सत्यापन एवं अधिकार अभिलेख वितरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने नक्शा बटांकन का कार्य संतोषप्रद नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि नक्शा बटांकन की जवाबदारी राजस्व निरीक्षकों का है। राजस्व निरीक्षक पटवारियों को प्रतिदिन का लक्ष्य देकर नक्शा बटांकन में प्रगति लाए तथा पटवारियों की बैठक लेकर नियमित रुप से समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि सीमांकन के लिए किसी का भी आवेदन लेने से मना नही कर सकते। यदि सीमांकन के लिए दस्तावेज की आवश्यकता पड़ती है तो आवेदक से उसकी मांग करें और विधिवत सीमांकन की कार्यवाई करें। सीमांकन होने, नहीं होने, स्थगित होने अथवा खारिज होने की स्थिति में आवेदक को अवगत भी कराए। उन्होंने अविवादित नामांतरण, विवादित नामांतरण, अविवादित बटवारा एवं विवादित बटवारा की समीक्षा करते हुए कहा कि अविवादित नामांतरण एवं अविवादित बटवारा का एक भी प्रकरण लंबित नहीं होना चाहिए।कलेक्टर ने ऐसे वन अधिकार पट्टा धारक जिनका मृत्यु हो गया है, उनके फौती, नामांतरण एवं अधिकार पत्रों पर उत्तराधिकारियों का नाम राजस्व अभिलेख में प्रविष्टि करने के निर्देश दिए। उन्होंने भूमि आबंटन के प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि राजस्व अधिकारी भूमि आबंटन के पूर्व राजस्व रिकार्ड की अच्छी तरह जांच कर लें ताकि पूर्व में किसी और विभाग को आबंटित तो नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि भूमि आबंटन के पूर्व मौके पर जाकर स्थल निरीक्षण करें और आबंटन उपरांत रिकार्ड दुरुस्त कर लें। उन्होंने डिजिटल क्राप सर्वे रबी मौसम का शेष कार्य पूर्ण करने, आधार प्रविष्टि, अभिलेख शुध्दता, प्रायमरी स्कूल और आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों का जाति प्रमाण पत्र बनाने, भू-अर्जन प्रकरणों मे मुआवजा वितरण, बकाया राजस्व वसूली, अतिक्रमण, आरबीसी 6-4 के तहत आर्थिक सहायता, उच्च न्यायलय में लंबित न्यायलीन प्रकरणों, लोकसेवा गारंटी अधिनियम आदि की समीक्षा की और प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ग्रामीणों की सुविधा के लिए पटवारियों को सप्ताह में दो दिन पंचायत भवन में बैठने के लिए निर्देशित करने कहा।

चिराग दिल्ली में पूर्व निगम पार्षद के घर में लगी आग

नई दिल्ली 12 मार्च (निस) दक्षिणी दिल्ली के चिराग दिल्ली में पूर्व निगम पार्षद राकेश गुलिया के घर बुधवार सुबह भीषण आग लग गई। वैवाहिक कार्यक्रम की तैयारियों के बीच लगी इस आग से अफरा-तफरी मच गई। दमकलकर्मियों ने राकेश गुलिया और उनके तीन वर्षीय पौत्र को सुरक्षित बाहर निकाला और सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया। दक्षिणी दिल्ली के चिराग दिल्ली इलाके में बुधवार सुबह एक घर में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग पूर्व निगम पार्षद राकेश गुलिया के घर में लगी, जहां उस समय वैवाहिक कार्यक्रम की तैयारियां चल रही थीं। जानकारी के अनुसार, चिराग दिल्ली स्थित हनुमान रोड पर बने मकान में अचानक आग भड़क उठी। आग लगते ही घर में मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। दमकलकर्मियों ने आग की तेज लपटों के बीच फंसे राकेश गुलिया और उनके तीन वर्षीय पौत्र को सुरक्षित बाहर निकाला। दोनों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों को उपचार के लिए सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। काफी मशक्कत के बाद दमकल टीम ने आग पर काबू पा लिया। शुरुआती जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। हालांकि, मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

'भारत टैक्सी' सेवा का विस्तार देश के अन्य राज्यों तक करने की योजना

नई दिल्ली, 12 मार्च (निस) केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि कोऑपरेटिव सेक्टर की राइड-हेलिंग सेवा भारत टैक्सी को अगले दो से तीन वर्षों में देश के सभी बड़े शहरों और तालुकाओं तक विस्तार दिया जाएगा। राज्यसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में सहकारिता राज्य मंत्री क्रिश्न पाल गुर्जर ने बताया कि इस सेवा की शुरुआत ड्राइवरों को सशक्त बनाने और उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा कि इस सेवा की बुकिंग मोबाइल ऐप के जरिए आसानी से की जा सकती है और इसमें सुरक्षा तथा पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा गया है। यह सेवा देहली पुलिस के साथ भी इंटीग्रेट की गई है। फिलहाल यह दिल्ली-एनसीआर के साथ गुजरात के अहमदाबाद, राजकोट, सोमनाथ और द्वारका जैसे शहरों में संचालित हो रही है।

14 साल की बच्ची से छेड़छाड़, पुलिस ने 28 साल के शख्स को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली 12 मार्च (निस) दक्षिण दिल्ली के नेब सराय इलाके में एक 14 वर्षीय किशोरी के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 28 वर्षीय आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना के बाद किशोरी के परिजन और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा गया, जिसके चलते इलाके में जमकर हंगामा हुआ। जानकारी के अनुसार, नेब सराय में एक 14 वर्षीय किशोरी के साथ छेड़छाड़ की घटना हुई। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक, जिसकी उम्र 28 वर्ष बताई जा रही है, को गिरफ्तार कर लिया। इस घटना ने स्थानीय लोगों और पीड़ित किशोरी के परिजनों को बेहद आक्रोशित कर दिया। गिरफ्तारी के बाद भी लोगों का गुस्सा शांत नहीं हुआ और उन्होंने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए जमकर हंगामा किया।

दिल्लीवालों जल संकट के लिए रहो तैयार

नई दिल्ली 12 मार्च (निस) लोगों को होने वाली परेशानी को देखते हुए जल बोर्ड ने बेहद अफसोस जताया है, साथ ही शटडाउन के दौरान प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोगों को अपनी जरूरत का पानी पहले से स्टोर करके रखने की सलाह दी है। दिल्ली जल बोर्ड ने शहर के 55 से ज्यादा इलाकों के लिए जल संकट से जुड़ा एक अलर्ट जारी किया है और बताया है कि बुधवार को इन इलाकों में रहने वाले लोगों को पानी की कमी से जूझना पड़ेगा। इस बारे में जारी की सोशल मीडिया पोस्ट में डीजेबी ने बताया कि भूमिगत जलाशय और बूस्टर पंपिंग स्टेशन की फ्लशिंग के सालाना कार्यक्रम की वजह से 11 मार्च (बुधवार) शहर के इन 55 से ज्यादा इलाकों में लोगों को जलसंकट की परेशानी को झेलना होगा। ऐसे में लोगों को होने वाली परेशानी को देखते हुए जल बोर्ड ने बेहद अफसोस जताया है, साथ ही शटडाउन के दौरान प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोगों को अपनी जरूरत का पानी पहले से स्टोर करके रखने की सलाह दी है।

दिल्ली में छेनू गैंग के दो गुर्गे गिरफ्तार

नई दिल्ली 12 मार्च (निस) पुलिस की पूछताछ के दौरान आरोपियों ने शुरू में जांचकर्ताओं को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन बाद में सख्ती से पूछने पर सच उगल दिया। उन्होंने बताया कि उनकी गाड़ी में हथियार रखे हैं और वह नई वारदात को अंजाम देने के लिए घूम रहे दिल्ली पुलिस ने राजस्थान में हुई 70 लाख रुपए की गहनों की चोरी की वारदात के सिलसिले में छेनू गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इस बारे में जानकारी देते हुए बुधवार को एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये दोनों आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे, और इन दोनों की पहचान राशिद उर्फ सोनू (35) और फहीम उर्फ डैनी (30) के रूप में हुई है। इनमें से राशिद एक हिस्ट्रीशीटर अपराधी है और उसके खिलाफ पहले से ही 21 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों को एक अस्पताल के पास तब पकड़ा गया, जब वे दोनों नए शिकार की तलाश में घूम रहे थे। पुलिस ने गिरफ्तारी की इस कार्रवाई को खुफिया सूचना मिलने के आधार पर अंजाम दिया। 5 मार्च को पुलिस की एक टीम को खबर मिली थी कि एक अंतरराज्यीय गिरोह के सदस्य, जो हाल ही में छेनू गैंग में शामिल हुए हैं, इलाके में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। जिसके बाद पुलिस ने उन्हें धर दबोचा। दोनों आरोपियों के पास से दो बंदूकें, पांच जिंदा कारतूस और एक कार भी बरामद हुई है, जिन्हें जब्त कर लिया गया है।

सीबीआई की याचिका दूसरी बेंच में ट्रांसफर करने केजरीवाल की मांग

नई दिल्ली, 12 मार्च (निस) दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली शराब नीति से जुड़े मामले में सीबीआई की क्रिमिनल रिवीजन याचिका को दिल्ली हाईकोर्ट की दूसरी बेंच में स्थानांतरित करने की मांग की है। इसके लिए उन्होंने हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को आवेदन दिया है। पूर्व सीएम केजरीवाल ने अपने आवेदन में कहा है कि इस मामले की सुनवाई फिलहाल जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच में हो रही है, लेकिन निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए इसे किसी अन्य बेंच को सौंपा जाना चाहिए। उन्होंने अदालत से अनुरोध किया है कि मामले को नई बेंच के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए।

ब्रह्मकुमारीज का ईश्वरीय चेहरा थीं बीके गुलजार दादी

– डॉ श्रीगोपाल नारसन

ब्रह्माकुमारीज संस्था में राजयोगिनी गुल?ार दादी जहां वर्षो तक ईश्वरीय चेहरा रही वही ब्रह्माकुमारीज की मुख्य प्रशासिका के रूप में भी उन्होंने अपनी सेवाएं देंकर संस्था को रूहानियत के शीर्ष तक पहुंचाया ।उनका रूहानी नाम हृदय मोहिनी था, जिनको गुल?ार दादी के नाम से भी जाना जाता रहा। वे ब्रह्माकुमारीज अर्थात प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की मुख्य प्रशासनिक प्रमुख के पद पर अप्रैल सन 2020 से 10 मार्च 2021 तक रही। हालांकि गुल?ार दादी इस संस्था से सन 1936 मे ही संस्था की स्थापना के समय से मात्र 8 वर्ष की आयु में जु? गई थी ।वे ओम निवास नामक बोर्डिंग स्कूल के माध्यम से इस संस्था में शामिल हुईं। इस संस्था की स्थापना दादा लेखराज यानि ब्रह्मा बाबा ने बच्चों को आध्यात्मिक एवं चारित्रिक सीख देने के लिए की थी। तब से गुल?ार दादी अपनी शारीरिक आयु 92 पूरे करके शरीर छो?ने तक इस संस्था के प्रति समर्पित रही ।गुल?ार दादी जिनका लौकिक नाम शोभा था, का जन्म सन 1929 में अविभाजित भारत के समय हैदराबाद के सिंध शहर में हुआ था। शोभा आठ भाई बहन थे। उनकी माता ने स्वेच्छा से उनको शिवबाबा के यज्ञ में आत्मसमर्पण करा दिया था क्योंकि वे पहले ही चाहतीं थी कि उनका एक बच्चा आध्यात्मिकता की तरफ जाये ।भगवान का बच्चा होने के रूहानी नशे से लबरे? शोभा का शुरुआती जीवन बहुत ही आनंद और म? में बीता। उन दिनों मुरली यानि ईश्वरीय वाणी में स्वर्ग के बारे में ही बताया जाता था। यह शिव बाबा की दादा लेखराज यानि ब्रह्मा बाबा द्वारा दी गयी शुरू की रूहानी शिक्षाएँ है। शोभा को वेदों की कोई जानकारी नहीं थी। फिर भी शिव बाबा की ईश्वरीय वाणी सुनकर,वे गहरे ईश्वरीय प्रेम और आध्यात्मिक आनंद अनुभव करने लगी थी ।सन 1940 में उन्हें योग के समय सतयुग के दृश्य अनुभव होते थे। ब्रह्मा बाबा और मम्मा को भी यह दृश्य नहीं दिखते थे, परन्तु शोभा सहित कुछ छोटे बच्चों को नए युग के दृश्य दिखाई देने लगे थे। वे जो देखती थी, उसे सभी को बताती थीं। कराची में 1939 से 1950 तक रहने के बाद वे सन 1950 में ब्रह्मा बाबा के साथ माउंट आबू आ गई। तब तक शोभा यानि गुल?ार दादी शारीरिक व आध्यात्मिक तौर पर परिपक्व हो गयीं थी और इसलिए बाबा ने उन्हें सम्पूर्ण भारत में सेवाओं के लिए भेज दिया ।दादी गुल?ार द्वारा संस्था के कई सेंटर स्थापित किए गए, जिनमे ?्यादा तर दिल्ली के आस-पास थे। वे मम्मा की सेवाएँ सम्भालतीं थीं और ब्रह्मा बाबा मधुबन के कार्यों की देख-रेख करते थे। यहां दादी गुल?ार आध्यात्मिक सेवाएँ देतीं थीं ।सन 1960 में वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से रूहानी सेवाएँ सम्पूर्ण भारत में फैल गईं। टेलीफोन द्वारा, ब्रह्माबाबा दादी गुल?ार सहित सभी बच्चों से बात करते थे और ?रूरी निर्देश देते थे। पत्र लिखना भी जारी रहा ।दादी गुल?ार ने अपना अधिकांश समय बम्बई और दिल्ली की सेवाओ में बिताया। सभी गुलजार दादी को उनकी मधुरता और प्रेम के लिए बहुत मानते थे।

यहां तक की बाबा ने अपनी मुरलियों में भी कहा है की दिल्ली क्षेत्र में दादी गुलजार बहुत सेवारत रही ।गुलजार दादी ने ऑस्ट्रेलिया, जापान, न्यू?ीलैंड, फिलीपींस, हॉन्ग कॉन्ग, सिंगापुर, मलेशिया, इंडोनेशिया, श्रीलंका, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रा?ील, मेक्सिको, केनेडा, इंग्लैंड, जर्मनी, फ्रांस, हॉलैंड, पोलैंड, अफ्रीका आदि समेत कई पूर्व व पश्चिम देशों का दौरा कर वहां आध्यात्मिकता की खुशबू फैलाई। उन्होंने आध्यात्मिकता, फिलॉसफी, राजयोग, आर्ट ऑफ लिविंग आदि विषयों मे निपुणता के साथ कई व्याख्यान विदेशों में दिए। वह विचारों मे स्पष्ट, अनुभवों की धनी व बोल मे सादगी का गुण रखती थी, जिस कारण अनेकों ने उनके द्वारा परमात्मा का संदेश पाया।

ब्रह्मा बाबा 18 जनवरी, 1969 को अव्यक्त हुए तो वे दादी गुल?ार के माध्यम से रूहानी बच्चों से मिलने लगे और मुरली सुनाने का माध्यम भी वे ही बनीं। 1969 से 2015 तक गुलजार दादी ने लगातार ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्रों का भ्रमण किया व संगमयुग की पावन वेला मे स्व-परिवर्तन पर व्याख्यान दिए ।गुलजार दादी वी.आई.पी के सम्मेलनो में शिवबाबा का संदेश अति सरल मगर दिल को छू जाने वाले शब्दों में देतीं थीं। उनका सरल ,भोलापन व सबसे स्नेह रखने वाला स्वभाव ही मुख्य आकर्षण का केंद्र था। उन्होंने सन 2007 से मुख्यत: मधुबन अर्थात माउंट आबू या फिर दिल्ली सेवाकेंद्र पर रहकर सेवा का पार्ट बजाया,11 मार्च 2021 को दादी हृदय मोहिनी यानि गुलजार दादी के शरीर छोड़ने के बाद वर्तमान में दादी रतन मोहिनी जी को ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका का दायित्व संभाल रही है। जिस दिन उन्होंने अपने शरीर का त्याग किया उस दिन पवित्र महाशिवरात्रि का पवित्र अवसर था। जो उनकी स्मृति को हमेशा हमेशा के लिए यादगार बना गया।

बेड के नीचे सामान रखने से बढ़ती है नकारात्मकता

बेडरूम ऐसी जगह मानी जाती है जहां व्यक्ति दिनभर की थकान के बाद आराम करता है, इसलिए यहां की व्यवस्था और वस्तुओं का सही स्थान बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यदि बेड या उसके आसपास कुछ चीजों को गलत तरीके से रखा जाता है तो इससे नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने की संभावना रहती है, जिसका असर मानसिक शांति और जीवन की संतुलित स्थिति पर पड़ सकता है। कई लोग कमरे को व्यवस्थित दिखाने के लिए बेड के नीचे अलग-अलग सामान रख देते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र में इसे उचित नहीं माना गया है। माना जाता है कि बेड के नीचे ज्यादा सामान रखने से ऊर्जा का प्रवाह प्रभावित होता है। खासतौर पर लोहे से बनी वस्तुओं को बेड के नीचे रखने से बचना चाहिए। ऐसी वस्तुएं जो लंबे समय तक उपयोग में नहीं आतीं, उन्हें बेड के नीचे जमा कर देने से वातावरण में नकारात्मकता बढ़ सकती है।

झाड़ू को भी बेड के नीचे रखना उचित नहीं माना जाता है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार इससे घर के वातावरण और स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए झाड़ू को हमेशा निर्धारित स्थान पर ही रखना बेहतर माना जाता है।

इसी तरह सोने-चांदी के आभूषण भी बेड के नीचे नहीं रखने चाहिए। वास्तु शास्त्र में इसे शुभ नहीं माना जाता और ऐसा करने से आर्थिक स्थिति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की मान्यता है।

अक्सर लोग पढ़ते-पढ़ते किताबें या अन्य चीजें बेड पर ही छोड़ देते हैं, लेकिन वास्तु के अनुसार ऐसा करना उचित नहीं माना जाता। बेड को हमेशा साफ और व्यवस्थित रखना चाहिए। माना जाता है कि बेड पर अनावश्यक वस्तुएं छोड़ने से मानसिक अशांति और नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ सकता है।

सोने वाले स्थान के आसपास भी कुछ चीजों को रखने से बचना चाहिए। जूते-चप्पल को बेड के पास रखना वास्तु की दृष्टि से सही नहीं माना जाता। इन्हें हमेशा कमरे के निर्धारित स्थान पर ही रखना बेहतर होता है।

इसी तरह कई लोग रात में सुविधा के लिए पानी की बोतल बेड के बिल्कुल पास रख लेते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार इसे थोड़ी दूरी पर रखना अधिक उचित माना जाता है। इसके अलावा घड़ी, लैपटॉप या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भी बेड पर या उसके आसपास छोड़ना सही नहीं माना जाता, क्योंकि इससे विश्राम के वातावरण पर असर पड़ सकता है।

वास्तु शास्त्र में बेडरूम और उसमें रखे बेड की दिशा को भी महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि यदि बेड सही दिशा में रखा हो तो घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बेहतर बना रहता है। वास्तु नियमों के अनुसार बेडरूम का स्थान उत्तर-पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम दिशा में होना शुभ माना जाता है। वहीं बेड को इस प्रकार रखना उचित माना जाता है कि सोते समय सिर की दिशा दक्षिण या पूर्व की ओर हो।

उत्तराखंड के इस प्राचीन काली मंदिर की है अपनी अलग पहचान

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में पर्वतों के बीच कालापानी का प्राचीन काली मंदिर बना हुआ है। कहा जाता है कि यहीं से काली नदी की शुरुआत होती है। लोगों की मान्यता है कि मंदिर के पास बहने वाली एक छोटी सी पवित्र धारा ही आगे चलकर काली नदी का रूप ले लेती है। यही काली नदी आगे जाकर भारत और नेपाल के बीच प्राकृतिक सीमा भी बनाती है। मंदिर परिसर में बहते इस जल को लोग देवी काली का आशीर्वाद मानते हैं और श्रद्धा के साथ इसे अपने साथ ले जाते हैं। कालापानी का यह काली मंदिर आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक अहम पड़ाव भी है। जो भी यात्री इस दुर्गम और दिव्य यात्रा पर निकलते हैं, वे यहां रुककर माता काली के दर्शन जरूर करते हैं और आगे की यात्रा के लिए आशीर्वाद लेते हैं। चारों तरफ फैली बर्फ से ढकी हिमालय की चोटियां, ठंडी हवाएं और शांत वातावरण इस जगह को और भी विशेष बना देते हैं। मंदिर के पास ही व्यास गुफा भी स्थित है ।मान्यता है कि महान ऋषि वेद व्यास ने इसी गुफा में बैठकर कठोर तपस्या की थी और यहीं से उन्होंने ज्ञान की अलौकिक रोशनी से मानवता को मार्ग दिखाया। इसी कारण यह स्थान सिर्फ एक मंदिर नहीं, बल्कि एक पवित्र तपोभूमि भी माना जाता है। मान्यता है कि यह जगह पांडवों की कथाओं से भी जुड़ी हुई है। माना जाता है कि अपने वनवास के दौरान पांडवों ने इस क्षेत्र में कुछ समय बिताया था। आसपास के कई स्थानों के नाम जैसे भीम शिला और युधिष्ठिर मार्ग इन्हीं कथाओं से जुड़े बताए जाते हैं। इस क्षेत्र में रहने वाला भोटिया समुदाय काली माता को अपना रक्षक देवता मानता है। उनका विश्वास है कि माता काली इस पूरी घाटी की रक्षा करती हैं और सच्चे मन से आने वाले यात्रियों की यात्रा सुरक्षित बनाती हैं ।हालांकि कालापानी तक पहुंचना आसान नहीं है। यात्रियों को धारचूला से कठिन पहाड़ी रास्तों से गुजरना पड़ता है।

भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान

– संजय गोस्वामी

वैदिक काल (लगभग 1700-900 ई.पू.) से भारत में शिक्षा की शुरुआत मान सकते हैं। 'वैदिक शिक्षा' शब्द का प्रयोग इस अवधि में प्रयुक्त शिक्षण पद्धति के अर्थ में किया जाता है। एक व्यापक अर्थ में इस शब्द का प्रयोग उस शिक्षा पद्धति के लिए किया जाता है जो पूर्व वैदिक काल में प्रारंभ हुई और लगभग 550 ई. (गुप्त साम्राज्य के पतन तक) विकसित होती रही। इसे 'ब्राह्मण शिक्षा-पद्धति', 'शिक्षा की हिंदू प्रणाली' और शिक्षा की 'गुरुकुल प्रणाली' भी कहा जाता है। भारतवर्ष मैं रहने वाली सर्वप्रथम जाति आर्य थी और वैदिक संस्कृति आर्यों की अपनी संस्कृति थी 7 वैदिक-संस्कृति सत्य, सनातन है और वेद को अनादि अथवा ईश्वरीय माना गया है, क्योंकि मनुष्य और उसकी सभ्यता के बारे में सबसे प्राचीन इतिहास भी इसी संस्कृति की देन है 7 जिसमें ऋषियों द्वारा मानव समाज को ब्यवस्थित तरीके से चलाने के लिये मर्यादित आचरण की ब्यवस्था दी गयी 7वैदिक शिक्षा-प्रणाली की ख़ास विशेषता थी गुरुकुल [शाब्दिक अर्थ शिक्षक का घर '] की प्रणाली। छात्रों को शिक्षा के पूरे काल के लिए शिक्षक और उनके परिवार के साथ रहना आवश्यक था। कुछ गुरुकुल एकांत वन-क्षेत्रों में होते थे, लेकिन सिद्धांत एक ही था विद्यार्थियों को गुरु (शिक्षक) / गुरु और उनके परिवार के साथ रहना होता था। यह प्रणाली लगभग 2500 वर्षों तक यथावत चलती रही। पाठशालाओं तथा शिक्षण संस्थाओं का विकास बहुत बाद में हुआ शिक्षा के उद्देश्य का पहला उल्लेख ऋग्वेद के 10 वें मंडल में पाया जाता है। इस मंडल के एक सूक्त में कहा गया है कि विद्या का उद्देश्य वेदों तथा कर्मकांड के ज्ञान के अतिरिक्त समाज में सम्मान प्राप्त करना, सभा-समिति में बोलने में सक्षम होना, उचित-अनुचित का बोध आदि है। इससे प्रतीत होता है की पूर्व वैदिक युग में शिक्षा के उद्देश्य व्यावहारिक थे। बाद में, उपनिषद काल में, ज्ञान का उद्देश्य अधिक सूक्ष्म हो गया। विद्या को दो भागों में बांटा गया ङ्क परा विद्या और अपरा विद्या। अपरा विद्या में प्राय: समस्त पुस्तकीय तथा व्यावहारिक ज्ञान आ गया। केवल ब्रह्म विद्या को परा विद्या माना गया। परा विद्या श्रेष्ठ मानी गई क्योंकि उससे मोक्ष प्राप्त होता है। मोक्ष शिक्षा का अंतिम उद्देश्य हो गया। लेकिन यह लक्ष्य आदर्श ही रहा होगा, न की व्यावहारिक, क्योंकि मोक्ष सभी के लिए साध्य नहीं हो सकता। इतिहासकार ए.एस.अल्तेकर ने वैदिक शिक्षा के व्यावहारिक उद्देश्य बताये हैं जो निम्नलिखित हैं।

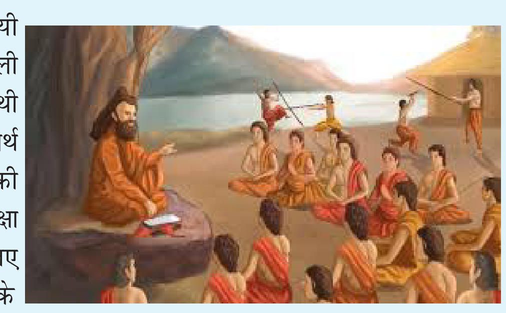

1) चरित्र निर्माण--

सत्यवादिता , संयम , व्यक्तिगत शील , सफाई , शांत स्वभाव और उदारता आदि अच्छे चरित्र के गुण किसी भी पेशे ङ्क पुरोहित , शिक्षक , चिकित्सक , राजसेवक, व्यापारी या सैनिक - के लिए बुनियादी आवश्यकता के रूप में प्राचीन ग्रंथों में निर्धारित किये गए हैं। शिक्षा का उद्देश्य इन गुणों का विकास करना था। मनुस्मृति में कहा गया है कि निर्मल चरित्र का ब्राह्मण सभी वेदों का ज्ञान रखने वाले दुश्चरित्र ब्राह्मण से अच्छा होता है। शिक्षा आरम्भ करने के पूर्व उपनयन संस्कार होता था जिसमें भावी विद्यार्थी को नैतिक आचरण के नियमों का पालन करने का उपदेश दिया जाता था। इसी तरह शिक्षा के समापन पर भी गुरु उपदेश देता था। उदाहरण के लिए तैत्तिरीय उपनिषद से दीक्षांत भाषण एक अंश उद्धृत है -

सच बोलो, धर्म का आचरण करो, वेदों का प्रतिदिन अभ्यास करो, माता पिता को देवतुल्य समझो, गुरु को देवतुल्य समझो। अतिथि को देवतुल्य समझो।

2) व्यक्तित्व का विकास-

प्रत्येक शिक्षार्थी को आत्मनिर्भरता , आत्म - संयम और जीवन में वर्ण और आश्रम के अनुरूप आचरण करने का कौशल सिखाया जाता था। विद्यार्थी भिक्षा मांगकर और शारीरिक श्रम करके अपना और गुरु के परिवार का भरण-पोषण करते थे। इससे आत्म-निर्भरता उत्पन्न होती थी। संयम विद्यार्थी-जीवन ही नहीं समस्त जीवन का अनिवार्य अंग था और शिक्षा जीवन में इस पर बहुत बल दिया जाता था। अपने वर्ण से सम्बंधित कार्य कुशल ढंग से कर पाने की सामर्थ्य शिक्षा द्वारा दी जाती थी। साथ ही यह भी सिखाया जाता था कि विभिन्न आश्रमों [गृहस्थ, वानप्रस्थ, संन्यास] में किस तरह आचरण करना होगा। अथर्ववेद के ब्रह्मचर्य सूक्त में कहा गया है की गुरु, शिक्षार्थी को दुबारा जन्म देता है, अर्थात उसका मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक कायाकल्प कर देता है।

भगवान राम ही परब्रह्म हैं अविनाशी हैं

– संजय गोस्वामी

जो नित्य, अविनाशी, आदि पुरुष, परब्रह्म राम है वे ही हृदय में रहते हैं। प्रकट करने के लिए स्वयं को प्रयास करना होगा। दूसरे का इसमें कोई रोल नहीं है। अपका स्वरूप परमचेतन ब्रह्म है, उनसे प्रत्यक्ष होना स्वयं पर निर्भर है। उसको राम नहीं सत्य नाम कह कर सम्बोधित किया गया है आर्ष ग्रंथों में ऋषियों द्वारा और बाद के संतों ने भी अपनी शब्दों में सत्य नाम का वर्णन किया है यह जो उल्टा नाम जपे जग जाना यह कोई व्यक्ति विशेष का नाम नहीं यह नाम राम ही प्रभु को ही नाम कहा है उसी का सुमिरन सुरती को उलट कर संत अपने आत्मा में अनुभव करते हैं यह साधना का विषय है अनुभव का विषय है जीव सनातन ईश्वर का अंश है उसी प्रकृति के कारण सदैव आनन्द की तलास में रहता है। इस प्रकिया में कभी स्त्री पुत्र से तो कभी धन सम्पत्ति से तो कभी स्वादिष्ट पदार्थों से सदैव आनन्द प्राप्त करने में सतत् लगा रहता है, परंतु उपरोक्त सभी आनन्द क्षणिक होते हैं। और नये आनन्द के प्रयास में लग जाता है। जीवन के आखिरी क्षण तक सतत् यही प्रयास चलता रहता है। वास्तव में पदार्थों में आनन्द है ही नहीं केवल आनन्दका आभास है, वह उसे भोगने के बाद मिट जाता है। इसलिए जो आत्मानन्द जो स्वयं का स्वरूप है, जबतक इसमें स्थित नहीं होंगे तबतक पूर्ण आनन्द नहीं मिलेगा। अर्जुन के मनमें ऐसी धारणा हुई कि कुटुम्बियोंको मारना, और सो भी राज्यके लिये, बहुत ही निन्दनीय अधर्म है। महाभारत में अर्जुन साधारण पुरुषों के समान वह यह सोच रहा था कि इस युद्ध में 'मैं मारनेवाला हूँ और ये सब मरनेवाले है। यह सोचकर वह युद्धसे उपरत हो गया। तब मैने रणभूमिमें बहुत -सी युक्तियाँ देकर वीरशिरोमणि अर्जुनको समझाया था। उस समय अर्जुनने भी मुझसे यही प्रश्न किया था, जो तुम कर रहे हो। उद्धवजी ! मैं समस्त प्राणियोंका आत्मा, हितैषी, सुहृद् और ईश्वर—नियामक हूँ। मैं ही इन समस्त प्राणियों और पदार्थोंके रूपमें हूँ और इनकी उत्पत्ति, स्थिति एवं प्रलयका कारण भी हूँ। गतिशील पदार्थोंमें मैं गति हूँ। अपने अधीन करनेवालोंमें मैं काल हूँ। गुणोंमें मै उनकी मूलस्वरूपा साम्यावस्था हूँ और जितनेभी गुणवान् पदार्थ हैं, उनमें उनका स्वाभाविक गुण हूँ। गुणयुक्त वस्तुओंमें मैं क्रिया-शक्ति-प्रधान प्रथम कार्य सूत्रात्मा हूँ और महानोंमें ज्ञान-शक्ति प्रधान प्रथम कार्य महत्तत्व हूं। सूक्ष्म वस्तुओंमें मैं जीव हूँ और कठिनाईसे वशमें होनेवालों में मन हूँ ।मैं वेदोंका अभिव्यक्ति स्थान हिरण्यगर्भ हूँ और मन्त्रोंमें तीन मात्राओं (अ+उ+म) वाला ओंकार हूँ। मैं अक्षरोंमें अकार, छन्दोंमें त्रिपदा गायत्री हूँ। समस्त देवताओंमें इन्द्र, आठ वसुओंमें अग्नि, द्वादश आदित्योंमें विष्णु और एकादश रुद्रोंमें नीललोहित नामका रुद्र हूँ। मैं ब्रह्मर्षियोंमें भृगु, राजर्षियोंमें मनु, देवर्षियोंमें नारद और गौओंमें कामधेनु हूँ। मैं सिद्धेश्वरोंमें कपिल, पक्षियोंमें गरुड़, प्रजापतियोंमें दक्ष प्रजापति और पितरोंमें अर्यमा हूँ। प्रिय उद्धव ! मैं दैत्योंमें दैत्यराज प्रह्लाद, नक्षत्रोंमें चन्द्रमा, ओषधियोंमें सोमरस एवं यक्ष-राक्षसोंमें कुबेर हूं—ऐसा समझो। मैं गजराजोंमें ऐरावत, जल निवासियोंमें उनका प्रभु वरुण, तपने और चमकने वालोंमें सूर्य तथा मनुष्योंमें राजा हूँ। मैं घोड़ोंमें उच्चै:श्रवा, धातुओंमें सोना, दण्डधारियोंमें यम और सर्पोंमें वासुकि हूँ। निष्पाप उद्धवजी ! मैं नागराजोंमें शेषनाग, सींग और दाढ़वाले प्राणियोंमें उनका राजा सिंह, आश्रमोंमें संन्यास और वर्णोंमें ब्राह्मण हूँ। मैं तीर्थ और नदियोंमें गंगा, जलाशयोंमें समुद्र, अस्त्र-शस्त्रों में धनुष तथा धनुर्धरोंमें त्रिपुरारि शंकर हूँ। अर्थात् सभी प्राणियोंके रूप में मैं ही सर्वत्र अनूकरूपों में व्याप्त हूं। मेरे सिवा दूसरा कुछ नहीं, मैं ही मारनेवाला और मैं ही मरनेवाला भी मैं ही हूं। पृथ्वी, वायु, आकाश, जल,तेज, अहंकार, महत्तत्व, पंचमहाभूत, जीव, अव्यक्त, प्रकृति, सत्त्व, रज, तम और उनसे परे रहनेवाला ब्रह्म—ये सब मैं ही हूँ। इन तत्त्वोंकी गणना, लक्षणों द्वारा उनका ज्ञान तथा तत्व ज्ञानरूप उसका फल भी मैं ही हूँ। मैं ही ईश्वर हूँ, मैं ही जीव हूँ, मैं ही गुण हूँ और मैं ही गुणी हूँ। मैं ही सबका आत्मा हूँ और मैं ही सब कुछ हूं। मेरे अतिरिक्त और कोई भी पदार्थ कहीं भी नहीं है। यदि मैं गिनने लगूँतो किसी समय परमाणुओंकी गणना तो कर सकता हूँ, परन्तु अपनी विभूतियोंकी गणना नहीं कर सकता। क्योंकि जब मेरे रचे हुए कोटि-कोटि ब्रह्माण्डोंकी भी गणना नहीं हो सकती, तब मेरी विभूतियोंकी गणना तो हो ही कैसे सकती है। ऐसा समझो कि जिसमें भी तेज, श्री, कीर्ति, ऐश्वर्य, लज्जा, त्याग, सौन्दर्य, सौभाग्य, पराक्रम, तितिक्षा और विज्ञान आदि श्रेष्ठ गुण हो, वह मेरा ही अंश है ।जीव सनातन ईश्वर का अंश है उसी प्रकृति के कारण सदैव आनन्द की तलास में रहता है। इस प्रकिया में कभी स्त्री पुत्र से तो कभी धन सम्पत्ति से तो कभी स्वादिष्ट पदार्थों से सदैव आनन्द प्राप्त करने में सतत् लगा रहता है, परंतु उपरोक्त सभी आनन्द क्षणिक होते हैं। और नये आनन्द के प्रयास में लग जाता है। जीवन के आखिरी क्षण तक सतत् यही प्रयास चलता रहता है। वास्तव में पदार्थों में आनन्द है ही नहीं केवल आनन्द का आभास है, वह उसे भोगने के बाद मिट जाता है। इसलिए जो आत्मानन्द जो स्वयं का स्वरूप है, जबतक इसमें स्थित नहीं होंगे तबतक पूर्ण आनन्द नहीं मिलेगा ।वो भगवान राम के नाम जपने और मर्यादा के पालन से अच्छे कर्म से मालूम होगा। **(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)**

आईआईटी के लिए हिसार सबसे उपयुक्त स्थान : सुरेश गोयल

हिसार, 12 मार्च (ब्यूरो) : भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री सुरेश गोयल धूप वाला ने प्रेस को जारी अपने बयान में कहा है कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) की स्थापना के लिए हिसार सबसे उपयुक्त स्थान है। उन्होंने एक स्थानीय समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार का हवाला देते हुए कहा कि

प्रदेश में नए आईआईटी की स्थापना की चर्चा अत्यंत स्वागत योग्य है और यदि इसे हिसार में स्थापित किया जाता है तो यह क्षेत्र के विकास के लिए ऐतिहासिक कदम साबित होगा। उन्होंने बताया कि पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता भी पहले ही प्रदेश सरकार के समक्ष यह प्रस्ताव रख चुके हैं कि प्रदेश में बनने वाला नया आईआईटी हिसार में स्थापित किया जाए। उनका मानना है कि हिसार की भौगोलिक स्थिति, उपलब्ध आधारभूत संरचना तथा शिक्षा के अनुकूल वातावरण इसे इस महत्वपूर्ण संस्थान के लिए सबसे बेहतर विकल्प बनाते हैं। सुरेश गोयल ने कहा कि वर्तमान समय में भारत में कुल लगभग 23

आईआईटी संस्थान कार्यरत हैं, जो देश की बढ़ती जनसंख्या और तकनीकी शिक्षा की आवश्यकता की दृष्टि से पर्याप्त नहीं माने जा सकते। हरियाणा जैसे प्रगतिशील राज्य में अभी तक कोई पूर्ण आईआईटी स्थापित नहीं है। केवल दिल्ली आईआईटी का एक एक्सटेंशन कैंपस सोनीपत में संचालित हो रहा है, जो राज्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

उन्होंने बताया कि इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए हरियाणा सरकार ने वर्ष 2026- 27 के बजट में प्रदेश में एक नए आईआईटी की स्थापना का प्रावधान किया है। इसके लिए प्रारंभिक रूप से हिसार, करनाल और गुरुग्राम जिलों को संभावित स्थानों के रूप में चिन्हित किया गया है। सुरेश गोयल ने कहा कि हिसार में स्थित महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा इस परियोजना को विशेष मजबूती प्रदान करता है। इसके अलावा बेहतर सड़क एवं रेल संपर्क, शांत वातावरण तथा पर्याप्त सरकारी भूमि की उपलब्धता इसे इस प्रतिष्ठित संस्थान के लिए आदर्श बनाती है।

उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे के निकट जीएलएफ की राजकीय भूमि उपलब्ध होने के कारण भूमि अधिग्रहण की कोई बड़ी बाधा भी सामने नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि यह हिसार के लिए एक स्वर्णिम अवसर है।

यदि पूर्व मंत्री, वर्तमान कैबिनेट मंत्री, हिसार के विधायक तथा भाजपा के सांसद सामूहिक रूप से मजबूत इच्छा शक्ति दिखाएं और सरकार के समक्ष प्रभावी पैरवी करें, तो आईआईटी की स्थापना हिसार में होना निश्चित है। इससे न केवल हिसार बल्कि पूरे क्षेत्र में शिक्षा, शोध, उद्योग और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे।

जिले मे घरेलू एल.पी.जी की किसी प्रकार की नहीं है कमी : नरेश कुमार

कुरुक्षेत्र, 12 मार्च (करणदीप सिंह) : जिला खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले नियन्त्रक नरेश कुमार ने कहा कि जिला में 27 गैस एजेंसी कार्यरत है।

इस समय घरेलु एल.पी.जी की रिफिल कीमत 920 रुपए प्रति सिलैण्डर है। जिला खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं, उपभोक्ता मामले नियन्त्रक नरेश कुमार ने आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि जिले मे घरेलु एल.पी.जी की किसी प्रकार की कमी नही है व एजेंसियों पर घरेलु एल.पी.जी का स्टॉक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने आमजन से अनुरोध किया जाता है कि वे अफवाहों पर कोई ध्यान ना दें और सम्बन्धित गैस एजेंसी से एल.पी.जी जरूरत अनुसार ले सकतें है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा क्षेत्रीय अमले को भी जरूरी हिदायतें जारी कर दी गई है कि जिला में एल.पी.जी की उपलब्धता सुचारू रूप से सुनिश्चित करें और यदि कोई भी व्यक्ति या संस्था एल.पी.जी की जमाखोरी या कालाबाजारी करते हुआ पाया जाता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

23 व 24 मार्च को हरियाणा कृषि मेले में किसानों को दी जाएगी कृषि तकनीकों की जानकारी

यमुनानगर, 12 मार्च (दिनेश कुमार) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार द्वारा किसानों को कृषि को बढ़ावा देने तथा खरीफ फसलों की उन्नत तकनीकों से अवगत कराने के उद्देश्य से 23 व 24 मार्च को दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में हरियाणा के साथ-साथ देश के विभिन्न राज्यों के किसान, कृषि वैज्ञानिक, कृषि उद्यमी तथा विभिन्न विभागों और निजी संस्थाओं के प्रतिनिधि भाग लेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मार्गदर्शन में कृषि मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस

कृषि मेले का मुख्य उद्देश्य किसानों को खरीफ फसलों की नवीनतम किस्मों, उन्नत कृषि तकनीकों, प्राकृतिक संसाधन संरक्षण तथा कृषि यंत्रीकरण से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराना है। मेले के दौरान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों को धान, कपास, बाजरा, दलहन एवं तिलहन फसलों की उन्नत किस्मों और वैज्ञानिक प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी देंगे। मेले में किसानों के लिए फसल उत्पादन तकनीक, कीट एवं रोग प्रबंधन, जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य, कृषि यंत्रीकरण, बागवानी, पशुपालन तथा मधुमक्खी पालन से संबंधित विभिन्न प्रकार की प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। इसके अतिरिक्त कृषि यंत्रों, उन्नत बीजों, जैविक उत्पादों तथा कृषि आधारित उद्योगों की भी प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। कृषि विज्ञान केंद्र, दामला के समन्वयक डॉ. संदीप रावल ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस कृषि मेले में भाग लेकर खरीफ फसलों की उन्नत तकनीकों, नई किस्मों तथा आधुनिक कृषि यंत्रों के बारे में जानकारी प्राप्त करें और अपने खेतों में इन तकनीकों को अपनाकर खेती को अधिक लाभकारी बनाएं। उन्होंने किसानों को बताया कि इस कृषि मेले में किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने के तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि मेले के दौरान वैज्ञानिक-किसान संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें किसान अपनी समस्याओं का समाधान सीधे विशेषज्ञों से प्राप्त कर सकेंगे।

उन्होंने प्रदेश के किसानों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में कृषि मेले में भाग लेकर खरीफ फसलों की नवीनतम तकनीकों की जानकारी प्राप्त करें। सह निदेशक (विस्तार) डॉ. सुनील ढाँडा ने बताया कि मेला परिसर में एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी हेतु लगाई जाने वाली स्टालों की बुकिंग शीघ्र शुरू की जाएगी तथा विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा मेले की तैयारियां आरंभ कर दी गई हैं। मेले में आने वाले किसानों और आगंतुकों के लिए समुचित व्यवस्थाएं की जाएंगी।

समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से किया जाए निपटारा : विवेक आर्य

कुरुक्षेत्र, 12 मार्च (करणदीप सिंह) : अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने कहा कि समाधान शिविरों के माध्यम से प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों को अधिकारी गंभीरता से लें। इस शिविर में प्राप्त शिकायतों का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर किया जाए ताकि लोगों को बार-बार दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। इसके साथ-साथ जो भी शिकायतें प्राप्त होती हैं, उन्हें पोर्टल पर अपलोड करें। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य वीरवार को स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में आमजन की समस्याओं को सुन रहे थे।

उन्होंने मौके पर अधिकारियों को कहा तय समय सीमा के अंदर संबंधित शिकायतों का निपटारा करें। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि समाधान शिविर में जिन विभागों की शिकायतें लंबित पड़ी हुई है, उनका जल्द समाधान करते हुए आमजन को राहत प्रदान करें। समाधान शिविर सरकार के सुशासन के संकल्प को जमीनी स्तर पर उतारने का एक प्रभावी माध्यम है। सभी विभागाध्यक्ष सुनिश्चित करें कि प्रत्येक शिकायत को निर्धारित समय-सीमा के भीतर निपटाया जाए। गुणवत्तापूर्ण एटीआर पोर्टल पर अपलोड की जाए ताकि वह शिकायत दोबारा से न खुले। जिन शिकायतों का समाधान संभव नहीं है, उन्हें रिजेक्ट की श्रेणी में डाले। इस अवसर पर जिला राजस्व अधिकारी चेतना चौधरी ,सीएम एमिनेंट पर्सन गगन कोहली सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सोंगल में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित दौरे को लेकर डीसी ने लिया प्रबंधों का जायजा

कैथल/राजौंद, 12 मार्च (सुरेंद्र कुमार/नरेश कुमार) : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के आगामी 14 मार्च को सोंगल गांव स्थित सिद्ध बाबा मुकुट नाथ मठ में प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। आगमन दृष्टिगत डीसी अपराजिता और एसपी उपासना ने अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का दौरा किया और अधिकारियों को अपने-अपने विभाग से संबंधित तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। मठ में पहुंचने पर महंत पीरशेरनाथ ने डीसी एवं एसपी को सम्मानित किया। डीसी अपराजिता और एसपी उपासना बुधवार दोपहर बाद गांव सोंगल पहुंचें। जहां सबसे पहले कार्यक्रम स्थल तथा प्रस्तावित हेलीपैड का निरीक्षण करते हुए संबंधित विभागों को बिजली, पानी, सुरक्षा और यातायात सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने गांव में बनें प्राचीन मठ परिसर का भी दौरा किया। जहां महंत पीरशेनाथ ने उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। महंत पीरशेरनाथ ने बताया कि सिद्ध बाबा मुकुट नाथ मठ क्षेत्र का एक प्राचीन धार्मिक स्थल है, जो लगभग 1600 से 1700

वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है। यह स्थान सिद्ध पुरुष बाबा मुकुट नाथ जी की तपस्थली माना जाता है, जहां उनकी स्मृति में निरंतर ज्योति प्रज्वलित रहती है। मठ परिसर में अब तक के 17 महंतों की समाधियां स्थित हैं, जिनकी प्रतिदिन पारंपरिक तरीके से गाय के गोबर से लिपाई की जाती है। यहां एक प्राचीन धूना भी लगातार प्रज्ज्वलित रहता है और यह डेरा नाथ संप्रदाय की धर्मनाथ परंपरा से जुड़ा हुआ है। मठ में समय-समय पर धार्मिक आयोजन और भंडारे आयोजित किए जाते हैं। इसी कड़ी में आठ विभिन्न आठ मठ—सोंगल, अबोहर, कोथ, रायसन, पिहोवा, उझाणा, धनौरी और हीरों कलां (पंजाब)—के मान को 'आठ मान का भंडारा' कहा जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में संत-महात्मा और श्रद्धालु शामिल होते हैं। इस बार आयोजित होने वाले इस आठ मान के विशाल भंडारे में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान वे संत-महात्माओं और श्रद्धालुओं को संबोधित भी करेंगे। प्रशासन का कहना है कि कार्यक्रम को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं ताकि आयोजन शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

किसानों को फसलों के लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य दिया जाए : फूल सिंह मंजूरा

चिडाव, 12 मार्च (प्रवीन कुमार) : इनैलो किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष ने प्रदेश सरकार आरोप लगाया कि भाजपा सरकार प्रदेश के किसानों की अनदेखी कर रही है। प्रदेश के किसान पैदावार को बढ़ाते जा रहे हैं, लेकिन उनकी फसलों के लाभकारी मूल्य नहीं दिए जाते और आज ऐसी स्थिति आ गई पैदावार बढ़ाने के बाद भी किसान कर्ज की दलदल में फंसता जा रहा है । किसानों ने सरकार से मांग की है किसानों को फसलों के लागत के आधार पर लाभकारी मूल्य दिया जाए इस बार गेहूं की फसल पर खर्चा ज्यादा है सरकार द्वारा लगातार डीजल,खाद दवाई व मशीनरी के रेट लगातार आसमान छूते जा रहे हैं और किसानों पर इसकी मार पड़ रही है। जिससे किसानों को अधिक नुकसान होगा और कर्जे में फस जाएंगे। यदि सरकार किसानों को बचाना चाहती है तो उनको भी उनका हक दिया जाए। यदि सरकार किसानों की बातें नहीं मानती तो किसान आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

जॉब फेयर का आयोजन 18 को

कुरुक्षेत्र, 12 मार्च (करणदीप सिंह) : जिला रोजगार अधिकारी सीमा सैनी ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र द्वारा निजी क्षेत्र मे रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए 18 मार्च 2026 को सुबह 10 बजे ब्यूरो कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के प्रांगण में जॉब फेयर का आयोजन करवाया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी सीमा सैनी ने आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस रोजगार मेले में 10वी, 12वी, स्नातक, स्नातकोत्तर, आई.टी.आई. और अन्य डिप्लोमा धारक भाग ले सकते है। इस रोजगार मेले में मुख्य रूप से आईसीआईसीआई बैंक, रमाया हैल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड कुरुक्षेत्र, मैक्स लाइफ इन्सुरेंस कुरुक्षेत्र, एसबीआई लाइफ इन्स्योरेन्स कुरुक्षेत्र, भारत पे कंपनी कुरुक्षेत्र, ए यू बैंक, बंधन बैंक, इंडसइंड बैंक आदि कंपनियां भाग ले रही है।

ट्रेनिंग को गंभीरता से लें चार्ज ऑफिसर्स : डा. वैशाली शर्मा

करनाल, 12 मार्च (मीनाक्षी देवी) : भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय की ओर से मकान सूचीकरण और मकानों की गणना को लेकर आज यहां जिला परिषद के कॉन्फ्रेंस हॉल में चार्ज ऑफिसर्स के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें मंडल इंचार्ज कविता पांचाल ने पावन पॉईंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अधिकारियों को एक मई से किए जाने वाले मकान सूचीकरण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर नगर निगम आयुक्त डा. वैशाली शर्मा ने चार्ज ऑफिसर्स से कहा कि वे प्रशिक्षण को गंभीरता से लें। मकान सूचीकरण का कार्य समयबद्ध है। प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त जानकारी जमीनी हकीकत को प्रतिबिंबित करेगी। प्रशिक्षण में चार्ज आफिसर्स के रूप में जिला के 5 तहसीलदारों तथा 6 नगर पालिकाओं के सचिवों ने भाग

लिया। उन्हें मकान सूचीकरण और मकानों की गणना संबंधी अनुदेश पुस्तिका भी वितरित की गई। मंडल इंचार्ज द्वारा अधिकारियों द्वारा विषय से संबंधित किए गए सवालों के जवाब भी दिए। मंडल इंचार्ज ने कहा कि सूचीकरण व मकान गणना का कार्य एक से तीस मई तक किया जाएगा। इससे पहले चार्ज आफिसर्स के अलावा सुपरवाइजरों और प्रगणकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि भारत में पहली जनगणना 1872 में की गई थी। इस साल 16वीं और आजादी के बाद की 8वीं जनगणना आयोजित की जा रही है। कोरोना के कारण 2021 में जनगणना नहीं हो सकी थी। उन्होंने बताया कि भारत की यह पहली ऐसी जनगणना होगी जिसमें आंकड़ों का संग्रहण डिजिटल उपकरणों/ माध्यम से किया जागा। इसके लिए प्रगणकों को खुद के स्मार्टफोन का प्रयोग करना होगा। सभी आंकड़ों को सीएमएमएस पोर्टल पर दर्ज करना होगा। सुपरवाइजरों/प्रगणकों की सफल ट्रेनिंग कराने में चार्ज ऑफिसर्स की अहम भूमिका रहेगी। इस जिला में एक मास्टर ट्रेनर भी नियुक्त किया गया है। जनगणना के दूसरे चरण में लोगों की गिनती का कार्य अगले साल फरवरी से आरंभ किया जाएगा। जनगणना से प्राप्त सूचनाएं/आंकड़े लोगों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं बनाने में सहायक होते हैं। इतना ही नहीं संसद/विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों, पंचायतों एवं अन्य स्थानीय निकायों की सीटों का परिसीमन भी इन्हीं आंकड़ों के आधार पर किया जाता है। मंडल इंचार्ज कविता पांचाल ने कहा कि प्रगणकों की नियुक्ति में इस बात का ध्यान रखा जाए कि सुपरवाइजर का रैंक उनसे ऊपर होना चाहिए। चार्ज ऑफिसर्स यह सुनिश्चित करें कि फील्ड कार्य समय पर पूरा हो, कोई गांव, क्षेत्र या मकान(जिस पर छत हो) छूटे नहीं। करनाल जिला में 30 हजार प्रगणक और 500 सुपरवाइजरों लगाए जाने हैं। उन्हें नियुक्ति पत्र व पहचान पत्र भी दिया जाएगा। सुपरवाइजरों/ प्रगणकों की ट्रेनिंक के लिए स्कूल/ कालेज के स्मार्ट कक्षों का प्रयोग किया जा सकता है। प्रशिक्षण सामग्री, किट आदि डाक विभाग के माध्यम से समय पर उपलब्ध करा दी जाएगी। औसतन छह प्रगणकों पर एक सुपरवाइजर लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जनगणना से जुड़े कार्यों के लिए प्राइवेट एजेंसी के माध्यम से निगम और उपायुक्त कार्यालय में दो-दो तथा चार्ज ऑफिसर्स के लिए एक-एक तकनीकी सहायक की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने मकान सूचीकरण ब्लॉक के बारे में विस्तृत जानकारी दी। बताया कि गांव से बाहर खेतों, ढाणियों अथवा ट्यूबवेल के कोठड़े में भी यदि कोई व्यक्ति रहता है तो उसे भवन अथवा संरचना को भी कवर किया जाए। हर घर पर नंबर अंकित किया जाना जरूरी है।

सात सौ की आबादी पर एक ब्लाक बनाया जाए। चार्ज ऑफिसर्स न केवल फील्ड का नियमित दौरा करें बल्कि सीएमएमएस में दर्ज आंकड़ों पर भी निगरानी रखें। किसी भी प्रकार की गलत सूचना को फौरन रोकें। उन्होंने कहा कि पीपीपी का जनगणना से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने परिसर, भवन, जनगणना मकान, सामान्य व संस्थागत परिवार, बेघर परिवार, मकान नंबर देने के लिए दिशा-निर्देशों की भी जानकारी दी। मंडल इंचार्ज के अनुसार पहली बार परिवारों के लिए स्व-गणना का विकल्प भी 16 से 30 अप्रैल तक उपलब्ध होगा। इसमें आंकड़ों की यथार्थ प्रविष्टि सुनिश्चित करने के लिए परिवरों को अपने लोकेशन विवरण प्रदान करना जरूरी है।

सीएमएमएस पोर्टल डिजिटल मानचित्र इंटरफेस के माध्यम से परिवारों को अपने मकान के सटीक स्थान को चिह्नित करने में मार्गदर्शन प्रदान करेगा। स्व-गणना देश के भीतर किसी भी स्थान पर बैठकर की जा सकती है। बैठक में जिला राजस्व अधिकारी मनीष यादव ने अधिकारियों से अपील की जनगणना के कार्य को पूरी ईमानदारी व निष्ठा से पूरा करें।

पीएम श्री स्कीम के अंतर्गत विद्यालय में ओलम्पिगाड करवाया

मूनक, 12 मार्च (जय भगवान) : पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पीएम श्री स्कीम के अंतर्गत कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों हेतु ओलम्पिगाड गार्ड करवाया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साह से भाग लिया। लेवल एक और लेवल दो में विभिन्न गतिविधियां कराई गई। विद्यार्थियों को इसके अंतर्गत जलपान कराया। लेवल एक के सभी विजेता विद्यार्थियों ने लेवल 2 में भाग लिया। लेवल 2 के सभी विजेता विद्यार्थियों की पुरस्कृत राशि 500 प्रति विद्यार्थी के खाते में डलवा दी गई। कक्षा 6 से दसवीं की श्रेणी में पांच विजेता रहे एवं 11 से 12 तक के 6 छात्र छात्राएं विजेता घोषित की गई। प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमारी ने बताया कि ओलम्पिगाड जैसी प्रतियोगिता परीक्षाओं में भाग लेने से सीखने और नए कौशल विकसित करने की प्रेरणा मिलती है। विद्यार्थियों की वैज्ञानिक क्षमता को बल मिलता है । जिसमें उनमें प्रति सफलता में बने रहने की प्रेरणा जागृत होती है। सभी विजेता छात्र-छात्राओं को एसएमसी की अध्यक्ष सरोज व प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमारी ने मेडल , सर्टिफिकेट और ट्राफी देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सुमन, अरुण कुमार ,मीनू प्रदीप भी शामिल रहे।

गांव की भागीदारी से ही सफल होगा सामाजिक अंकेक्षण : डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान

नीलोखेड़ी, 12 मार्च (सुरेश कुमार मिड्ढा) : सामाजिक अंकेक्षण सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर जन-जन की सतत निगरानी की एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया है। इसके माध्यम से सरकारी धन के पारदर्शी और उचित उपयोग के प्रति समाज का विश्वास सुदृढ़ किया जा सकता है।यह विचार हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने दो दिवसीय सामाजिक अंकेक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में व्यक्त किए। डॉ. चौहान ने कहा कि सामाजिक अंकेक्षण की प्रक्रिया केवल औपचारिकता बनकर न रह जाए। इसके लिए आवश्यक है कि अधिकारी और कर्मचारी ग्राम्य समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पूरे मनोयोग और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि जब गांव का समाज स्वयं योजनाओं की निगरानी में भागीदारी करता है, तभी पारदर्शिता और जवाबदेही मजबूत होती है और विकास कार्यों का वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे अपने दैनिक कामकाज में राजभाषा हिंदी का शत-प्रतिशत उपयोग करने का स्वभाव विकसित करें। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि प्रशासनिक कार्यों

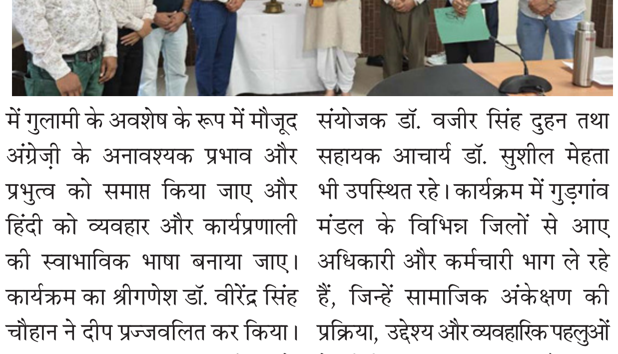

में गुलामी के अवशेष के रूप में मौजूद अंग्रेज़ी के अनावश्यक प्रभाव और प्रभुत्व को समाप्त किया जाए और हिंदी को व्यवहार और कार्यप्रणाली की स्वाभाविक भाषा बनाया जाए। कार्यक्रम का श्रीगणेश डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डॉ. वजीर सिंह दुहन तथा सहायक आचार्य डॉ. सुशील मेहता भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गुड़गांव मंडल के विभिन्न जिलों से आए अधिकारी और कर्मचारी भाग ले रहे हैं, जिन्हें सामाजिक अंकेक्षण की प्रक्रिया, उद्देश्य और व्यवहारिक पहलुओं के बारे में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम का आयोजन

नीलोखेड़ी, 12 मार्च (सुरेश कुमार मिड्ढा) : स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 को लेकर नगरपालिका नीलोखेड़ी प्रधान सनमीत कौर आहूजा व सचिव डॉक्टर राहुल सैनी के नेतृत्व में नगरपालिका की टीम द्वारा विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वार्ड 6 में काली माता मंदिर रोड नजदीक पेट्रोल पम्प के पास काफी साल से कचरे का डेर लगा हुआ था। आते जाते लोग इस स्थान पर कचरा डालते थे। नगरपालिका द्वारा कुछ लोगों को चालान भी काटे गए। प्रेरकों द्वारा लगातार जागरूकता अभियान भी चलाया गया। लोगों में जागरूकता आई और लोगों ने कचरा डालना बन्द कर दिया। आज सफाई यौद्धाओं की टीम और शहरवासियों के सहयोग से नगरपालिका ने इस स्थान को कचरा मुक्त कर दिया कचरा मुक्त करने के पश्चात इस स्थान पर पौधे सहित गमले

लगाकर सौंदर्यकरण किया गया। भविष्य में इस स्थान पर कचरा न डालने की चेतावनी का बोर्ड भी लगा दिया गया। नपाध्यक्ष सनमीत कौर आहूजा ने कहा कि इस स्थान या नीलोखेड़ी शहर में किसी सार्वजनिक स्थानों पर खुलें में कचरा डालने वाले लोगों पर 5000 रूपये जुर्माना लगाया जाएगा। वार्ड के लोगों ने इस कार्य की सराहना करते हुए नगरपालिका का धन्यवाद किया। नगरपालिका प्रधान ने नीलोखेड़ी शहर वासियों से अपील करते हुए कहा कि खुलें में कचरा डालकर शहर को गंदा न करें शहर को स्वच्छ स्वस्थ और सुन्दर बनाने में नगरपालिका का सहयोग करें। यदि शहरवासियों का सहयोग रहा तों स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में नीलोखेड़ी शहर प्रथम स्थान पर होगा।

इस कार्यक्रम में वार्ड 6 के पार्षद मुकेश सिरसवाल, मनोनीत पार्षद ईश चौपड़ा वार्ड 8 के पार्षद प्रतिनिधि राजबीर, समाजसेवी जगमोहन और नगरपालिका से कनिष्ठ अभियंता दिनेश कुमार, सफाई इंचार्ज राजबीर,डाटा एंट्री ऑपरेटर मोहित भाटिया मोटीवेटर नरेश कुमार, संगीता रानी, रिकी देवी, सफाई दरोगा सुनील कुमार सहित सभी सफाई यौद्धा मौजूद रहे।

अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस से 14 मार्च तक मनाया जा रहा स्वच्छता पखवाड़ा

मेरा शहर मेरी जिम्मेदारी थीम को लेकर स्वच्छता अभियान से गणमान्य लोगों को जोड़ने का मुख्य उद्देश्य : संदीप लोहट

घरौंडा, 12 मार्च (नरेन्द्र लाठर) : घरौंडा नगर पालिका की ओर से स्वच्छ सर्वेक्षण2025-26 के अंतर्गत स्वच्छता प्रेरकों के माध्यम से 8 मार्च से 14 मार्च तक चलने वाले अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का उत्सव, स्वच्छ भारत मिशन सुगम स्वच्छता प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से गुरुवार को नगर पालिका सचिव रवि प्रकाश के निर्देश पर स्वर्ण वाटिका स्कूल में मनाया गया ।जिसमें छात्रों को स्वच्छता, प्लॉस्टिक बैन के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता लाइब्रेरियन संदीप लोहट, सैनिटरी इंस्पेक्टर राहुल बामनिया, सुपरवाइजर सुरेन्द्र बेनीवाल, प्रिंसीपल अमित जैन मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता संदीप लोहट ने संबोधित करते हुए बताया कि स्वच्छ भारत मिशन की ओर से अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च से 14 मार्च तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। सौभाग्य से इस पखवाड़े में भारत की पहली महिला शिक्षिका, सामाजिक सुधारक और महिलाओं की शिक्षा की जननी सावित्रीबाई फुले की पुण्य तिथि पर उनको शत शत नमन करता हूँ। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 में लाल किले की प्राचीर से देश को स्वच्छ बनाने की

अपील की थी, वह आज सार्थक हो रही है ।हरियाणा में प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा को स्वच्छ बनाने की ठानी ओर मुख्यमंत्री नायब सैनी के मार्गदर्शन एवं कुशल नेतृत्व में हरियाणा स्वच्छता में आगे बढ़ रहा है, जिसके चलते हमें स्वच्छ सर्वेक्षण में घरौंडा शहर प्रथम स्थान हासिल हुआ था और अब हमें नम्बर वन पर बने रहना है। इसके लिए स्वच्छता कार्यों में नागरिकों, एनजीओ, स्कूलों, सामाजिक संस्थाओं इत्यादि को भी अपने साथ जोडे रखना होगा। उन्होंने कहा कि मेरा शहर मेरी जिम्मेदारी थीम को लेकर स्वच्छता अभियान में गणमान्य लोगों को जोड़ने का मुख्य उद्देश्य शहर के समग्र विकास को गति देना, नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करना तथा साफ-सफाई की व्यवस्था को ओर अधिक बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग हासिल करने के लिए नागरिकों की सहभागिता बेहद जरूरी है, इसलिए हमें आसपास रह रहे लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना चाहिए ।उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह पूरे शहर की सामूहिक जिम्मेदारी हैं। स्वच्छता प्रेरक सुषमा ने बताया कि हमें अपने घरों से निकलने वाले गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग करके दें। सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा न फैलाएं तथा नगर पालिका द्वारा चलाई जा रही स्वच्छता गतिविधियों में सहयोग करें। यदि शहर का प्रत्येक नागरिक स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएगा तो घरौंडा शहर को स्वच्छ व स्वस्थ शहर का लक्ष्य आसानी से प्राप्त किया जा सकेगा।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता लाइब्रेरियन संदीप लोहट, सैनिटरी इंस्पेक्टर राहुल बामनिया, सुपरवाइजर सुरेन्द्र बेनीवाल, सुगम स्वच्छता की आईईसी टीम से स्वच्छता प्रेरक सुषमा, योगीन्द्र, स्कूल प्रिंसिपल अमित जैन, स्कूल स्टाफ व छात्र मौजूद रहे।

ट्रक व बाईक की टक्कर लगने से बाईक सवार युवक की मौत ट्रक चालक फरार

लाडवा, 12 मार्च (रामगोपाल) : लाडवा पिपली मार्ग पर निवारसी कॉलोनी के पास सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। मृतक युवक की पहचान रजत कुमार पुत्र राम कुमार 33 वर्ष निवासी गांव अलीपुरा थाना रादौर जिला यमुनानगर के रूप में हुई है। पुलिस को दी अपनी शिकायत में सोहन लाल पुत्र बलबीर सिहं निवासी गांव बनी छान्नो थाना लाडवा जिला कुरुक्षेत्र ने बताया कि मंगलवार देर रात उसका भांजा रजत अपनी स्पलेंडर बाइक पर सवार होकर अपने निजि काम के लिए लाडवा से सोंटी के लिए गया था। जैसे ही वह निवारसी कॉलोनी के सामने बस स्टैंड पर पहुंचा तो बिना इंडिकेटर के खड़े ट्रक में टक्कर हो गई। टक्कर लगने से उसका भांजा बुरी तरह घायल हो गया। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों की सहायता से उसके भांजे रजत को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे एलएनजेपी कुरूक्षेत्र रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्षणिक मस्ती से जिंदगी हो सकती है बर्बाद, नियमों का पालन करें व सुरक्षित रहें : कमलदीप गोयल

यमुनानगर, 12 मार्च (दिनेश कुमार) : पुलिस विभाग द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे जन-जागरूकता अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने युवाओं और आम नागरिकों को एक सशक्त संदेश देते हुए नशे से दूर रहने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल के मार्गदर्शन में चल रहे इस अभियान का उद्देश्य समाज को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना और सुरक्षित जीवनशैली को बढ़ावा देना है। पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने कहा कि थोड़ी मस्ती के चक्कर में जिंदगी का सफर छोटा मत बनाओ। नशा छोड़ो, नियम अपनाओ ताकि हर सफर सुरक्षित हो। उन्होंने बताया कि क्षणिक आनंद और मस्ती के लिए नशे का सहारा लेना न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है, बल्कि यह समाज और परिवार के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता है। उन्होंने कहा कि नशे की हालत में वाहन चलाने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिनके कारण कई दर्दनाक सड़क दुर्घटनाएं सामने आती हैं। कई बार एक छोटी सी

लापरवाही पूरे परिवार की खुशियां छीन लेती है और जिंदगी भर का दुख दे जाती है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग का यह अभियान केवल कानून का पालन करवाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य एक सुरक्षित, स्वस्थ और जागरूक समाज का निर्माण करना है। इसी कड़ी में पुलिस विभाग द्वारा स्कूलों, कॉलेजों और विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में विशेषज्ञों द्वारा युवाओं और विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों, मानसिक और शारीरिक प्रभावों तथा सुरक्षित जीवनशैली अपनाने के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है।

एस.पी ने अभिभावकों से विशेष अपील करते हुए कहा कि वे अपने नाबालिग बच्चों को दोपहिया या चारपहिया वाहन चलाने की अनुमति न दें। कम उम्र में वाहन चलाना कानूनन अपराध है और यह उनके जीवन के साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा के लिए भी बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि कई बार अभिभावकों की छोटी सी लापरवाही बच्चों के भविष्य को अंधकार में धकेल सकती है, इसलिए समय रहते बच्चों को सही मार्गदर्शन देना और उन पर उचित नियंत्रण रखना बहुत आवश्यक है। उन्होंने सभी नागरिकों से भी आग्रह किया कि वे नशे से पूरी तरह दूर रहें, यातायात नियमों का पालन करें और जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं। युवाओं से विशेष रूप से अपील की गई कि वे इस जन-जागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं, स्वयं जागरूक बनें और अपने मित्रों व समाज के अन्य लोगों को भी नशे से दूर रहने और सुरक्षित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करें। पुलिस विभाग का मानना है कि यदि समाज के सभी वर्ग इस अभियान में सहयोग करेंगे तो निश्चित रूप से नशे और सड़क दुर्घटनाओं जैसी समस्याओं पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकेगा और एक सुरक्षित तथा जागरूक समाज का निर्माण संभव हो।

एंटी नारकोटिक्स सेल की कार्रवाई, एनडीपीएस एक्ट के मामले में आरोपी काबू

कब्जे से 1 किलो 15 ग्राम चरस की बरामद

करनाल, 12 मार्च (संदीप रोहिला) : नशा तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला पुलिस करनाल की एंटी नारकोटिक्स सेल ने एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त करते हुए दो आरोपियों को काबू किया है। यह कार्रवाई एंटी नारकोटिक्स सेल इंचार्ज उप निरीक्षक हिम्मत सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा की गई। पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर

कार्रवाई करते हुए आरोपी.. रामकुमार पुत्र हरदा राम निवासी गांव हथलाना, थाना निसिंग जिला करनाल को काबू किया। तलाशी के दौरान आरोपी प्रवीण के कब्जे से 1 किलों 15 ग्राम चरस नशीला पदार्थ बरामद की गई। इस संबंध में एंटी नारकोटिक्स सेल इंचार्ज उप निरीक्षक हिम्मत सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी के विरुद्ध थाना सदर,करनाल में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। इस संबंध में आरोपी से गहन पूछताछ कर नशा तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता के संबंध में अनुसंधान जारी है।

पेंशन लाभार्थियों की वेरिफिकेशन के लिए अब 14 व 15 मार्च को होंगी एरिया सभा की बैठकें

प्रत्येक वार्ड में लाडो लक्ष्मी योजना, बुढ़ापा व विधवा पेंशन लाभार्थियों की होंगी वेरिफिकेशन, नगर निगम ने लगाई एरिया सभा सचिवों व नोडल अधिकारियों की ड्यूटियां

यमुनानगर, 12 मार्च (दिनेश कुमार) : लाडो लक्ष्मी योजना, बुढ़ापा पेंशन व विधवा पेंशन के लाभार्थियों के सत्यापन के लिए नगर निगम द्वारा फिर प्रत्येक वार्ड में 14 और 15 मार्च को एरिया सभा की बैठकें आयोजित की जाएगी। इससे पहले नगर निगम द्वारा 21 जनवरी, 5 व 6 फरवरी, 25 व 26 फरवरी को पेंशन लाभार्थियों की वेरिफिकेशन की गई थी। उनमें जो लाभार्थी वेरिफिकेशन से वंचित रह गए थे, उनकी सूची निदेशालय से नगर निगम के पास आई है। बैठकों में निदेशालय से आई सूची में शामिल पेंशन लाभार्थियों के दस्तावेजों की जांच कर वेरिफिकेशन की जाएगी। वेरिफिकेशन प्रक्रिया की कार्रवाई संबंधित एरिया के दस प्रतिशत वोटर को कोरम पूरा होने के बाद शुरू होगी। यह जानकारी महापौर सुमन बहमनी व अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने दी। उन्होंने सभी एरिया सभाओं के सचिवों व नोडल अधिकारियों की ड्यूटियां लगाकर निर्देश दिए कि शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय, हरियाणा से प्राप्त निर्देशों के अनुसार प्रत्येक एरिया सभा में समयबद्ध तरीके से लाभार्थियों की वेरिफिकेशन की जाए। उन्होंने लाभार्थियों से अपील की है कि वे अपने वार्ड के निर्धारित स्थान और समय पर अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अपनी वेरिफिकेशन करवाएं। ताकि पात्र लाभार्थियों को इन योजनाओं का लाभ निरंतर मिलता रहे।

14 मार्च को यहां होंगी एरिया सभा की बैठकें : 14 मार्च यानी शनिवार को सुबह 10 बजे से वार्ड एक में सामुदायिक केंद्र गुलाब नगर। वार्ड 2 में डीडी अग्रवाल स्कूल जगाधरी। वार्ड 3 में सामुदायिक केंद्र उधमगढ़। वार्ड 4 में सामुदायिक केंद्र बूड़िया और वार्ड 5 में राजा वाला मंदिर कल्याण नगर में एरिया सभा की बैठकें होंगी। 14 मार्च शनिवार को ही दोपहर दो बजे से वार्ड 6 में गुरु रविदास मंदिर दुर्गा गार्डन, वार्ड 7 में सामुदायिक केंद्र सेक्टर 17, वार्ड 8 में यमुना क्लब मॉडल टाउन, वार्ड 9 में बजरंग भवन मॉडल कॉलोनी। वार्ड 10 में शीतल गिरी विद्या मंदिर स्कूल शांति कॉलोनी और वार्ड 11 में सामुदायिक केंद्र दड़वा में एरिया सभा की बैठकें होंगी।

15 मार्च को यहां होंगी एरिया सभा की बैठकें : 15 मार्च रविवार को सुबह 10 बजे से वार्ड 12 में खेड़ा मंदिर तीर्थ नगर, वार्ड 13 में गढ़वाली धर्मशाला जम्मू कॉलोनी, वार्ड 14 में सामुदायिक केंद्र पुराना हमीदा, वार्ड 15 में नगर निगम कार्यालय फव्वारा चौक, वार्ड 16 में स्वर्ण जयंती पार्क और वार्ड 17 में एमसी धर्मशाला मेन बाजार कैंप में एरिया सभा की बैठकें आयोजित होंगी। इसी तरह रविवार को दोपहर बाद 2 बजे से वार्ड 18 में अपना मंच पार्क फर्कपुर, वार्ड 19 में एसडी पब्लिक स्कूल लक्ष्मी नारायण मंदिर विष्णु नगर, वार्ड 20 में एमसी सामुदायिक केंद्र, वार्ड 21 में भगवान परशुराम धर्मशाला, वार्ड 21 में वाल्मीकि धर्मशाला गोल्डनपुरी में एरिया सभा की बैठकें होंगी।

एलपीजी, पेट्रोल व डीजल की सप्लाई पर प्रशासन की कड़ी नजर

जमाखोरी व ओवरचार्जिंग पर होगी कार्रवाई

हिसार, 12 मार्च (ब्यूरो) : उपायुक्त महेंद्र पाल ने कहा है कि ज़िले में एलपीजी, पेट्रोल व डीज़ल की सप्लाई पर प्रशासन की कड़ी नज़र है। इस संबंध में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग सहित संबंधित विभागों की टीमें गठित कर दी गई है। वर्तमान में पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि घरेलू एलपीजी का अन्य कार्यों के लिए दुरुपयोग न हो और गैस एजेंसियों द्वारा डबल स्टॉकिंग या अधिक कीमत वसूलने जैसी गतिविधियां किसी भी सूरत में न हों। साथ ही उपभोक्ताओं को भी किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने और निर्धारित मानकों के अनुसार एलपीजी का विवेकपूर्ण उपयोग करने की सलाह दी गई है। उपायुक्त ने कहा कि सभी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को जिला प्रशासन को प्रतिदिन एलपीजी स्टॉक और सप्लाई की स्थिति की जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी स्थान पर जमाखोरी या कालाबाजारी की शिकायत मिलती है तो आवश्यक वस्तु अधिनियम और एलपीजी सप्लाई व वितरण आदेश 2000 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान के लिए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही एलपीजी और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों से संबंधित शिकायतों के लिए टोल-फ्री नंबर 1800-180-2087 भी जारी किया गया है।

विकसित भारत के निर्माण में हरियाणा की रहेगी विशेष भूमिका : सुभाष कलसाना

शाहाबाद मारकंडा, 12 मार्च (रूबी) : गांव अढोनी में भाजपा नेता सुभाष कलसाना का नागरिक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अतुल सैनी और पवन कुमार के नेतृत्व में किया गया। जिसमें गांव के सरपंच परमजीत सहित अनेक गणमान्य लोग और ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम में सुभाष कलसाना के साथ रघुबीर सैनी और रविन्द्र सांगवान ठोल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजकों अतुल सैनी और पवन

कुमार ने आये हुए अतिथियों का अभिनंदन पुष्प मालाओं के साथ किया। कार्यक्रम के दौरान गांव के सरपंच ने गांव से संबंधित विभिन्न समस्याओं और विकास कार्यों को लेकर एक मांग पत्र सुभाष कलसाना को सौंपा और इन मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की। ग्राम पंचायत ने गांव के स्वर्ग आश्रम में शैड निर्माण, पेयजल सप्लाई के लिए पाईप लाईन सहित अन्य कई मांगे रखी। मांग पत्र स्वीकार करते हुए सुभाष कलसाना ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में प्रदेश की पंचायते विकास के रूप में सशक्त हुई हैं और गांव अढोनी की सभी मांगों को पूरा करवाने का काम किया जायेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार हरियाणा के चहुंमुखी विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि विकसित भारत के निर्माण में हरियाणा का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा और मुख्यमंत्री नायब सैनी इसी दिशा में मजबूती से काम कर रहे हैं। विशेष अतिथि रघुबीर सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि गांवों का विकास ही प्रदेश की असली ताकत है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को मिलकर हल किया जाएगा और विकास कार्यों को गति दी जाएगी। वहीं रविन्द्र सांगवान ठोल ने कहा कि गांव अढोनी के लोगों का उत्साह और एकजुटता सराहनीय है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और समाज के सहयोग से क्षेत्र में विकास के नये आयाम स्थापित किये जायंगे। कार्यक्रम के अंत में क्रिकेट खिलाडियों ने सुभाष कलसाना से मुलाकात करके क्रिकेट किट की मांग रखी।

जिस पर सुभाष कलसाना ने कहा कि क्रिकेट किट जल्द ही खिलाडियों को मिल जायेगी। इस अवसर पर रविन्द्र सांगवान ठोल, रघुबीर सैनी, एडवोकेट मनदीप रावा, अजय सैनी, राजीव सैनी और सारजैंट सैनी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति और ग्रामीण मौजूद रहे।

जनसमस्याओं के समाधान को प्राथमिकता : डॉ. कमल गुप्ता

हिसार, 12 मार्च (ब्यूरो) : भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में आज पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने नागरिकों की जनसमस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों से तुरंत फोन पर बातचीत कर कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान करवाया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, सामाजिक प्रतिनिधि और क्षेत्रवासी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित

समाधान प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आम नागरिकों के कार्यों में अनावश्यक देरी न हो तथा समस्याओं का शीघ्र और पारदर्शी तरीके से निपटारा किया जाए। बैठक के दौरान उपस्थित जनों ने वैश्विक स्तर पर बढ़ रहे तनाव और उसके भारत पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों पर भी चिंता व्यक्त की।

इस विषय पर चर्चा करते हुए डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में देश को आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत सरकार के सक्षम नेतृत्व में देश हर चुनौती का सामना करने में सक्षम है। इस अवसर पर पार्टी के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने जनहित के मुद्दों पर अपनी बात रखते हुए समाधान की अपेक्षा व्यक्त की। इस अवसर पर सुरेश गोयल धूप वाला, रामचंदर गुप्ता, सतीश सुरलिया, लोकेश असीजा, विनोद तोशावाड़, सुरेंदर सिंह सैनी, अनुज जैन, प्रोमिला पुनिया, अनिल गोदारा, प्रवीण नारंग आदि उपस्थित रहें।

गर्मी में न हो पेयजल की परेशानी, गुणवत्तापूर्वक जलापूर्ति सुनिश्चित करवाएं अधिकारी : डीसी अपराजिता

कैथल, 12 मार्च (सुरेंद्र कुमार) : डीसी अपराजिता ने वीरवार सुबह प्योदा रोड स्थित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। डीसी ने जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी के दृष्टिगत पेयजल आपूर्ति को लेकर कोई परेशानी नहीं आनी चाहिए। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में गुणवत्तापूर्वक पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करें। डीसी वीरवार सुबह प्योदा रोड स्थित जल घर पहुंचीं। जहां उन्होंने सबसे पहले स्टोरेज टैंक का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने पानी को शुद्ध करने की पूरी प्रक्रिया की बारीकी से जानकारी हासिल की। जनस्वास्थ्य विभाग के अधीक्षक अभियंता कृष्ण कुमार एवं कार्यकारी अभियंता अभिषेक शेर ने पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी। इसके बाद डीसी ने मैप पर पूरे शहर

में जलापूर्ति की पूरी प्रक्रिया को समझा और कहा कि शहर के किसी भी हिस्से में पानी की कमी नहीं होनी चाहिए। गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है। इसीलिए विभागीय अधिकारी जहां भी जरूरत हो, वहां मरम्मत का कार्य पूरा करें। लीकेज ठीक करवाएं। पेयजल में किसी भी तरह की गंदगी न हो। इसके बाद डीसी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अपने संदेश में डीसी अपराजिता ने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए नागरिकों को स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करवाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि पेयजल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और सभी जलघरों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान डीसी ने पानी की गुणवत्ता की जांच करने के भी निर्देश दिए और कहा कि नियमित रूप से पानी के सैंपल लिए जाएं। उन्होंने आमजन का आह्वान किया कि जल हमारे जीवन में महत्वपूर्ण है। हमें जल का संरक्षण करना है और पानी को बर्बाद होने से बचाना है। इसलिए बेवजह पानी नल खुला न छोड़ें। पानी को व्यर्थ में न बहाएं। वहीं जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शहर में दो वाटर ट्रीटमेंट प्लांट है, जोकि प्योदा रोड स्थित तथा दूसरा मानस रोड पर स्थित है। प्योदा रोड स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता 20 एमएलडी है तथा मानस रोड स्थित प्लांट की क्षमता 13 एमएलडी है। कैथल में 16 बूस्टर तथा 40 पंपों के माध्यम से निर्बाध रूप से पेयजल आपूर्ति की जा रही है। पेयजल आपूर्ति समुचित रूप से चलाने के लिए शहर में 90 किलोमीटर पुरानी लाइन को बदला जाएगा, जिस पर लगभग 5 करोड़ रुपये की धनराशि खर्च आएगी। जिले में दो पानी जांच लैब हैं, जोकि एक कैथल तथा दूसरी चीका में है। इस मौके पर जन स्वास्थ्य विभाग के अधीक्षक अभियंता कृष्ण कुमार गिल, कार्यकारी अभियंता अभिषेक शेर, एसडीओ गोपाल वैध, जेई राहुल के अलावा अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रभातफेरी में प्रभु श्रीराम के भजनों पर जमकर थिरके श्रद्धालु

शाहाबाद मारकंडा,12 मार्च (रूबी) : श्री राम नवमी के उपलक्ष्य में श्री बैकुंठपुरी हनुमान मंदिर सभा द्वारा निकाली जा रही प्रभातफेरियों की श्रृंखला में चौंदवें दिन की प्रभातफेरी का आयोजन श्री बैकुण्ठ पूरी हनुमान मंदिर में किया गया। यजमान वीरेंद्र कोहली ने अपने परिवार के सदस्यों सहित विधिवत पूजन

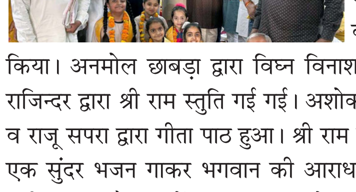

किया। अनमोल छाबड़ा द्वारा विघ्न विनाशक श्री गणेश जी की वंदना व राजिन्दर द्वारा श्री राम स्तुति गई गई। अशोक सेठी द्वारा श्री हनुमान चालीसा व राजू सपरा द्वारा गीता पाठ हुआ। श्री राम स्तुति के बाद गायकों ने एक से एक सुंदर भजन गाकर भगवान की आराधना की। सागर कोहली के राधा रानी सरकार के भजनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। भजन गायकों में सन्नी, राघव, अजय, सोनिया, गीता, रवि नवीन, निखिल, अंकुश गोयल व सागर कोहली ने सुंदर भजनों द्वारा समय बाँध दिया। वरिंदर कोहली, सन्नी, वैशाली, विकास, नेहा, वरुण, आँचल, सपना सहित पूरे परिवार को बधाई दी गई और विधायक राम करण काला, प्रभजीत तनेजा, जगदीश सभरवाल,चंद्र मोहन कोहली, राजपाल, सूरज मल्होत्रा, प्रवीण मदान, हरीश बॉबी, नवनीत कौर, गीता मदान सहित गणमान्य लोगों ने प्रभातफेरी के आयोजकों को स्मृति चिह्न देकर कर सम्मानित किया। इस अवसर पर नगरपालिका प्रधान गुलशन कवातरा, पूर्व प्रधान हरीश कवातरा, गौरव खुराना, संजीव भसीन, रविन्द्र अंटाल, ढूंड राज आनंद, विजय मलिक, संजय कोहली, मयंक तुली, सुशील कुमार, गौरव सभरवाल, सुभाष अरोड़ा, पंकज बुद्धिराजा, ईशा अग्रवाल, सोनिया, सुनीता, टीना अरोड़ा आदि मौजूद रहे। प्रधान सुधीर सूद ने बताया कि 14 मार्च की प्रभातफेरी मनोज शर्मा न्यू मॉडल टाउन में जाएगी।

पंजाब सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सीएम सेहत बीमा योजना को लेकर भारी उत्साह-धीरज

बरनाला, 12 मार्च (सुखविंदर सिंह भंडारी) पंजाब सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मुख्य मंत्री स्वास्थय बीमा योजना लोगों में भारी उत्साह पाया जा रहा है। इस संबंधी आढ़तिया एसोसिएशन बरनाला द्वारा मुख्य मंत्री स्वास्थय बीमा योजना की शुरूआत अनाज मंडी बरनाला में शुरू की गई। प्रेस को जानकारी देते हुए आढ़तिया एसोसिएशन बरनाला के चेयरमैन धीरज कुमार दद्धाहूर और अध्यक्ष कृष्ण कुमार बिट्टू ने बताया कि शहर बरनाला की विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक संगठनों के अतिरिक्त आढ़तिया एसोसिएशन बरनाला द्वारा इस कैंप की सफलता के लिए भारी योगदान दिया जा रहा है। यह कैंप शहर के विभिन्न भागों में लगातार 5 दिन चलाया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक परिवार का निशुल्क 10 लाख रुपए का स्वास्थय बीमा मुख्य मंत्री स्वास्थय बीमा योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। जिस संबंधी पंजाब सरकार के हिदायतों के अनुसार रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुकी है। इस अवसर पर सैक्रेटरी मार्किट कमेटी जशनप्रीत सिंह सिद्धू, सुपरवाईजर शिव बांसल, पनग्रेन अध्यक्ष कृष्ण कुमार बिट्टू, सोमनाथ सहौरिया, गौरव कुमार चुहानके, तेजपाल, मनोहर सहौरिया, सुरेश कुमार, रेवती नंदन, सरूप लाल गंडू, विक्की नंगल, रोहित रंगियां, संजीव कुमार ठीकरीवाल, विश्व विजय, सुरिंदर कुमार बिट्टू के अतिरिक्त बड़ी संख्या में शहर निवासी उपस्थित थे।

21 और 22 मार्च को दो बसों के माध्यम से 2 दिन की धार्मिक यात्रा बिल्कुल मुफ्त

बरनाला, 12 मार्च (सुखविंदर सिंह भंडारी) प्रोग्रेसिव सीनियर सिटीज़न एंड सिविल सोसायटी बरनाला की सरपरस्ती में नीरज बाला दानिया, प्यारा लाल रायसर वाले, स्टेट अवॉर्डी भोला सिंह विरक, राजीव मित्तल, बबीता जिंदल, मनदीप घई, बसंत कुमार गोयल (गीता भवन वाले), समाज सेवक दीपक सोनी (आस्था वाले) और समाज सेवक शशिकांत चोपड़ा के सहयोग से आयोजित की जा रही धार्मिक यात्रा के लिए श्रद्धालुओं की ओर से बहुत अच्छा उत्साह देखने को मिला है। अब तक कुल 120 यात्रियों के नाम दर्ज हो चुके हैं और यात्रियों की आवश्यक संख्या पूरी हो चुकी है। दो बसों में कुल 120 श्रद्धालु ही यात्रा पर जाएंगे। 21 मार्च को सुबह 6 बजे बसों को झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा और 22 मार्च की शाम को बसें वापस लौट आएंगी। यात्रियों से निवेदन किया गया है कि वे 21 मार्च को सुबह 5=30 बजे तक पहुंच जाएं, ताकि अपना सामान सावधानी से बस की डिक्की में रखकर अपनी-अपनी सीटों पर बैठ सकें। यह धार्मिक यात्रा श्री राड़ा साहिब, श्री आनंदपुर साहिब, श्री नैना देवी, विरासत-ए-खालसा, सरहिंद, फतेहगढ़ साहिब तथा पटियाला स्थित गुरुद्वारा दुख निवारण और काली माता मंदिर के दर्शन के लिए जाएगी। सभी यात्रियों से समय की पाबंदी बनाए रखने की अपील की गई है। आयोजकों का कहना है कि यह यात्रा सभी श्रद्धालुओं के लिए एक यादगार धार्मिक यात्रा होगी। मुख्य सेवेदार सुखविंदर सिंह भंडारी ने जानकारी देते हुए बताया कि भट्ठल टूर एंड ट्रैवल्स बरनाला की दो बसें बुक कर ली गई हैं, जो शेरांवाले गेट तक जाएंगी। ये बसें 21 मार्च को सुबह 5 बजे कृष्णा गली के सिरे पर पक्का कॉलेज रोड स्थित यस बैंक के पास पहुंच जाएंगी और ठीक सुबह 6 बजे रवाना होंगी। शिरोमणि कमेटी के सदस्य परमजीत सिंह खालसा ने श्री आनंदपुर साहिब में रात्रि विश्राम के लिए हॉल और कमरे बुक करवा दिए हैं। कृष्णा गली केसी रोड बरनाला से 50 से अधिक यात्री इस यात्रा में शामिल हो रहे हैं। इस अवसर पर महिंदर पाल गर्ग, प्रोफेसर (डॉ.) मनदीप सिंह घई, केवल कृष्ण गर्ग, राकेश गर्ग, बबीता जिंदल, राजेश भुटानी, अश्वनी शर्मा, जसपाल शर्मा आदि भी उपस्थित थे।

बीवीएम इंटरनेशनल स्कूल में इमैजिनेरियम के विजेताओं को सम्मानित किया गया

बरनाला, 12 मार्च (सुखविंदर सिंह भंडारी) बीवीएम इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित भव्य फन फॉलिक कार्निवल के अंतर्गत आयोजित मॉडल प्रदर्शनी 'इमैजिनेरियम2026 'के विजेता विद्यार्थियों को आज विद्यालय परिसर में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में उत्साह, गर्व और उपलब्धि का विशेष वातावरण देखने को मिला। इस मॉडल प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचारपूर्ण सोच को प्रोत्साहित करना था, जिसमें छात्रों ने अपनी कल्पनाशक्ति और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। 'इमैजिनेरियम2026 'के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर आकर्षक और ज्ञानवर्धक मॉडल प्रस्तुत किए। आज आयोजित विशेष कार्यक्रम में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय के चेयरमैन श्री प्रमोद अरोड़ा जी ने अपने संदेश में कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों की रचनात्मकता और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 'इमैजिनेरियम2026 'जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को नई सोच विकसित करने और अपने विचारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करते हैं।विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती गीता अरोड़ा जी, श्री निखिल अरोड़ा जी एवं श्रीमती नेहुल अरोड़ा जी ने भी विजेता विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और रचनात्मक सोच ही उन्हें भविष्य में सफलता की ओर अग्रसर करती है। उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से ही छात्र इस प्रकार की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ प्राप्त कर पाते हैं।इसके पश्चात विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती मनिंदरजीत कौर धालीवालने भी विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और उन्हें अपने विचारों को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदानकरती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों की भी सराहना की और कहा कि प्रत्येक छात्र का प्रयास सराहनीय है। विजेताओं का यह सम्मान समारोह न केवल विद्यार्थियों के लिए गर्व का क्षण बना, बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत साबित हुआ। विद्यालय परिवार का मानना है कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मोदी सरकार द्वारा ट्रंप के साथ किए गए व्यापार समझौते का तीखा विरोध

बरनाला, 12 मार्च (सुखविंदर सिंह भंडारी) केंद्र सरकार के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ किए गए व्यापार समझौते के तहत अमेरिकी सामान की बिक्री के लिए भारतीय बाजार खोल दिया गया है। किसान नेता धन्ना सिंह ग्रेवाल ने इस व्यापार समझौते का तीखा विरोध किया है। इस मौके पर पत्रकारों को जानकारी देते हुए नेताओं ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा अमेरिकी सरकार के साथ किए गए इस समझौते से जहां भारत का औद्योगिक क्षेत्र प्रभावित होगा, वहीं खेती भी पूरी तरह से तबाह हो जाएगी। उन्होंने कहा कि भले ही भारत सरकार यह कह रही है कि कृषि क्षेत्र को इस समझौते से बाहर रखा गया है, लेकिन यदि कृषि उत्पादों से बने अमेरिकी सामान भारत में टैक्स मुक्त होकर बिकेंगे, तो भारतीय किसानों की फसलें बाजार में नहीं बिक पाएंगी। यह देश के लिए बेहद घातक फैसला साबित होगा। किसान नेता धन्ना सिंह ग्रेवाल ने मांग की कि सरकार इस समझौते से कृषि उपज और उससे जुड़े उत्पादों को बाहर रखे तथा भारत के किसानों की सभी फसलों की खरीद की कानूनी गारंटी करे। इसके साथ ही उन्होंने बिजली संशोधन बिल और बीज बिल को भी रद्द करने की मांग की।

दिल्ली हाई कोर्ट ने डीयू के विरोध प्रदर्शनों के बैन पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 12 मार्च (निस) : दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली यूनिवर्सिटी और दिल्ली पुलिस द्वारा विरोध प्रदर्शनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के आदेश पर सवाल उठाया है। दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू) और दिल्ली पुलिस के यूनिवर्सिटी में विरोध प्रदर्शनों पर पूरी तरह बैन लगाने के आदेश पर सवाल उठाते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि विरोध प्रदर्शनों और जुलूसों पर पूरी तरह बैन नहीं लगाया जा सकता। चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की बेंच ने कहा कि अगर कानून-व्यवस्था का कोई उल्लंघन होता है, तो पुलिस को कार्रवाई करनी चाहिए, लेकिन पूरी तरह बैन लगाना सही नहीं हो सकता। बेंच ने डीयू और पुलिस को एक हफ्ते के अंदर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि हलफनामा देखने के बाद मामले पर फैसला लिया जाएगा। कोर्ट ने यह टिप्पणी डीयू के लॉ फैकल्टी के स्टूडेंट उदय भदौरिया की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। याचिका में प्रॉक्टर ऑफिस की तरफ से 17 फरवरी को जारी नोटिफिकेशन को चुनौती दी गई है।

पीआईबी चंडीगढ़ के पत्रकार प्रतिनिधिमंडल ने सीमा सुरक्षा बल की सीमा संबंधी गतिविधियों का अवलोकन किया

जोधपुर/चंडीगढ़, 12 मार्च (निस) पीआईबी चंडीगढ़ द्वारा राजस्थान दौरे पर गए पत्रकार प्रतिनिधिमंडल ने आज सीमा सुरक्षा बल द्वारा लोंगेवाला, तनोट तथा सीमा क्षेत्र में संचालित विभिन्न परियोजनाओं और गतिविधियों का अवलोकन किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सीमा क्षेत्र में सुरक्षा, प्रशिक्षण तथा सामरिक तैयारियों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। बीएसएफ अधिकारियों ने सीमा क्षेत्र में कार्य करने की विशेष परिस्थितियों और उसकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी।पीआईबी के पत्रकार प्रतिनिधिमंडल ने बीएसएफ की विभिन्न पहल, नवाचार, स्थानीय समुदायों के साथ समन्वय तथा सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस दौरान पत्रकार दल ने लोंगेवाला युद्ध स्थल एवं संग्रहालय का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने तनोट में सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों से मुलाकात की और तनोट माता मंदिर के इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त की। जैसलमेर स्थित ऐतिहासिक श्री मातेश्वरी तनोट राय मंदिर का अद्भुत इतिहास है। ऐसी मान्यता है कि तनोट माता जवानों को दुश्मनों से लड़ने की शक्ति देती हैं और युद्ध के दौरान देश की रक्षा करती हैं। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान श्री तनोट राय माता मंदिर परिसर में पाकिस्तान द्वारा कई बम गिराए गए थे, लेकिन मान्यता के अनुसार तनोट माता के चमत्कार से कोई भी बम नहीं फटा। इसी कड़ी में प्रतिनिधिमंडल ने जैसलमेर में सीमा पर्यटन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत श्री तनोट मंदिर कॉम्प्लेक्स परियोजना का भी अवलोकन किया। इस परियोजना के तहत यहाँ आने वाले युवा श्री तनोट माता मंदिर के दर्शन करने के साथ-साथ देश के बहादुर सैनिकों के शौर्य और बलिदान के इतिहास को भी करीब से जान पाएंगे।इस परियोजना के अंतर्गत प्रतीक्षालय, रंगभूमि, इंटरप्रिटेशन केंद्र, बच्चों के लिए कक्ष तथा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अन्य आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में पहली बार सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास पहुँच रहा है। बॉर्डर टूरिज्म की दूरदर्शी पहल के परिणामस्वरूप न केवल सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का जीवनस्तर बेहतर हो रहा है, जिससे क्षेत्र की सुरक्षा को भी मजबूती मिल रही है।

पी.ओ. स्टाफ की टीम ने दो भगोड़े आरोपियों को किया गिरफ्तार

यमुनानगर, 12 मार्च (दिनेश कुमार) : पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला पुलिस द्वारा भगोड़े आरोपियों और बेल जंपर्स की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल के दिशा-निर्देशों पर कार्य करते हुए पी.ओ. स्टाफ की टीम ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने न्यायालय द्वारा भगोड़ा घोषित किए गए दो भगोड़े आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के अंतर्गत आगे की कार्रवाई के लिए अदालत में पेश कर दिया है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पी.ओ. स्टाफ के इंचार्ज निरीक्षक जगबीर सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें एएसआई अश्विनी, मुख्य सिपाही संदीप , बिजेंदर, महावीर व महिला सिपाही सोनिया को शामिल किया गया। टीम ने संयुक्त प्रयास से दो भगोड़े आरोपियों गांव दादूपुर निवासी अक्षय पुत्र महेंद्र पाल व गांव लवाणी निवासी सतनाम सिंह पुत्र ईशर सिंह को गुप्त सूचना के आधार पर सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी एक आपराधिक मामले में संलिप्त थे और न्यायालय में पेश न होने के कारण उन्हें माननीय अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित कर दिया गया था। आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहे थे, लेकिन टीम की सतर्कता और प्रयासों के चलते उन्हें दबोच लिया गया।

पुलिस अधीक्षक ने टीम के इस कार्य की सराहना की है और कहा है कि जिले में अपराधियों के खिलाफ यह अभियान भविष्य में भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा, जिससे कानून व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके।

एमएचयू कई अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर शोध कार्य आगे बढ़ा रही : प्रो. सुरेश मल्होत्रा

करनाल, 12 मार्च (संदीप रोहिला) : आस्ट्रेलियाई बागवानी उद्यमों में कुशल और अर्ध कुशल श्रमिकों की भर्ती और उन्हें एकीकृत करने के लिए पायलट कार्यक्रम के तहत आस्ट्रेलियां, दक्षिण अफ्रीका के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बृहस्पतिवार को महाराणा प्रताप हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी करनाल के माननीय कुलपति प्रो. सुरेश मल्होत्रा से मुलाकात की। लूसी ग्रेग, महाप्रबंधक, जनसंपर्क एवं संचार, जेसिका पैटरसन, मानव संसाधन प्रबंधक जेरेला होल्डिंग्स दक्षिण अफ्रीका, पैनी पटाने, निदेशक, पटाने प्रोडयूस प्राइवेट लिमिटेड, बोर्ड सदस्य।

जोडी ओब्रायन, महाप्रबंधक मानव संसाधन एवं संस्कृति, बुलमर फार्म्स दक्षिण अफ्रीका,सुखपाल सैमी सिंह रंधावा, हार्वेस्ट मैनेजर फ्रैगापेन फार्म्स (विक्टोरिया) आदि शामिल रहे। इनके साथ राष्ट्रीय कौशल विकास निगम इंटरनेशनल की नियोक्ता रीमा भी साथ रही। कुलपति प्रो. सुरेश मल्होत्रा ने प्रतिनिधिमंडल सदस्यों से आस्ट्रेलियां में बागवानी खेती के बारे में बातचीत की। उन्होंने बताया कि एमएचयू किस प्रकार बागवानी खेती किसानी के लिए अपना योगदान दे रही है, उन्होंने कहा कि एमएचयू के विद्यार्थियों को न केवल पढ़ाई के क्षेत्र में तैयार किया जा रहा है बल्कि प्रैक्टिकल भी करवाया जा रहा है ताकि वे धरातल पर जाकर बागवानी की खेती में आने वाली चुनौतियों को समझ सकें ओर उनका निवारण कर सकें। इसके अलावा एमएचयू कई अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर शोध कार्य आगे बढ़ा रही है, जिनकी सराहना आस्ट्रेलियां के साथ अमेरिका, इग्लैडं, जापान द्वारा की जा रही है। प्रतिनिधिमंडल सदस्यों ने बागवानी विश्वविद्यालयों में एमएचयू के कार्यों की सराहना की और कहा कि एमएचयू के विद्यार्थी अंतरराष्ट्रीय स्तर की बागवानी में मानव संसाधन की मांग पूरा करने में सक्षम है। क्योंकि एमएचयू आस्ट्रेलियां एवं कई अन्य विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर वर्तमान ओर भविष्य की कई चुनौतियों से निपटने के लिए शोध कार्यों में जुटा है।

रोटरी क्लब को मिले महत्त्वपूर्ण सम्मान, क्लब के कार्य निरंतर रहेगे जारी : डा. घुम्मन

शाहाबाद मारकंडा, 12 मार्च (रूबी) : रोटरी क्लब के प्रधान डॉ. आर. एस. घुम्मन ने जानकारी देते हुए बताया कि रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3080 द्वारा दिसंबर माह के लिए घोषित डिस्ट्रिक्ट मंथली अवॉर्ड्स में क्लब को दो महत्वपूर्ण पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। इनमें पहला पुरस्कार मीडियम क्लब्स (31 से 70 सदस्य) श्रेणी में माह के दौरान सर्वाधिक प्रोजेक्ट करने के लिए प्रदान किया गया, जबकि दूसरा पुरस्कार सबसे नवाचारपूर्ण प्रोजेक्ट के लिए मिला। यह पुरस्कार क्लब द्वारा सरकारी कन्या विद्यालय में नए शौचालय, ब्लॉक के निर्माण जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक कार्य के लिए प्रदान किया गया है। डॉ. आर. एस. घुम्मन ने कहा कि यह सम्मान पूरे क्लब के सदस्यों की मेहनत, सेवा भावना और समाज के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब हमेशा से ही शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में निरंतर कार्य करता रहा है और आगे भी इसी प्रकार समाज हित में प्रोजेक्ट चलाए जाते रहेंगे। उन्होंने सभी सदस्यों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और भविष्य में भी और अधिक सेवा कार्य करने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर चीफ एडवाइजर टू डिस्ट्रिक्ट गवर्नर राज कुमार गर्ग ने क्लब को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि रोटरी क्लब ने कम समय में समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर पूरे जिले में अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि सरकारी कन्या विद्यालय में शौचालय ब्लॉक का निर्माण एक अत्यंत सराहनीय और उपयोगी प्रोजेक्ट है, जिससे छात्राओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि क्लब आने वाले समय में भी इसी प्रकार नवाचारपूर्ण और जनहितकारी प्रोजेक्ट करके समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करता रहेगा। इस अवसर पर मोहसिन खान, सीमा, पायल आदि उपस्थित रहे।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने उप तहसील बाबैन व गांव गुहन में गिरदावरी को लेकर किया औचक निरीक्षण

बाबैन, 12 मार्च (राजेश कुमार) : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने उप तहसील कार्यालय बाबैन में वार्षिक निरीक्षण और गांव गुहन में गिरदावरी को लेकर औचक निरीक्षण किया। उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान किसानों से उनकी समस्याओं के बारे में भी बात की और फसल प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण सलाह दी। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि गेहूं की फसल की गिरदावरी (फसल सर्वेक्षण) का कार्य, जोकि जमीन और बोई गई फसलों का सरकारी दस्तावेजीकरण है। इस निरीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गिरदावरी में सही खसरा नंबर, फसल का प्रकार और किसान का नाम दर्ज हो, ताकि किसानों को उनके नुकसान या उपज का सही मुआवजा मिल सके। रबी फसलों विशेष रूप से गेहूं की गिरदावरी का उद्देश्य पटवारी द्वारा किए गए सर्वेक्षण की सटीकता को जांचना है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने वीरवार को उप तहसील कार्यालय बाबैन का निरीक्षण कर विभिन्न कार्यालयों की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। उपायुक्त ने उप तहसील के निरीक्षण के दौरान पेपरलेस रजिस्ट्रेशन, हेल्प डेस्क, राजस्व कोर्ट तथा ई-दिशा केंद्र का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सेवाओं की समीक्षा की। उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान कार्यालयों परिसर की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया और साफ-सफाई सहित मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने विभिन्न शाखाओं में चल रहे कार्यों की जानकारी लेते हुए संबंधित रजिस्टरों और अभिलेखों की स्थिति की समीक्षा की।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेंडिंग म्यूटेशन, इंतकाल और गिरदावरी के मामलों को बिना विलंब ऑनलाइन किया जाए और प्रत्येक प्रकरण का समय पर निपटान सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने राजस्व कार्यालय में मौजूद नागरिकों से भी बातचीत कर समस्याओं को जाना और अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित मामलों को प्राथमिकता से निपटाया जाए। इस अवसर पर तहसील कार्यालय मे उपस्थित लोगों ने उपायुक्त के सामने पीने के पानी की समस्या को रखा और उपायुक्त महोदय ने जल्द ही तहसील परिसर मे वाटर कूलर लगवाए जाने का आश्वाशन दिया। इस अवसर पर नायब तहसीलदार गीता राम, कानूनगो साहब सिंह, सुरजीत सिंह, संदीप कुमार, पहलवान शर्मा, देवेन्द्र, ऋषि पाल, मान सिंह, अंग्रेज सिंह, जगतार सिंह, रामकला, इकबाल, रविन्द्र व अन्य गण्मान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पंजाब एवं हरियाणा बार काउंसिल के चुनाव हरियाणा में 18 मार्च को होंगे

करनाल, 12 मार्च (प्रवीन) : जिला उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी उत्तम सिंह ने बताया कि पंजाब एवं हरियाणा बार काउंसिल के चुनाव हरियाणा राज्य में 18 मार्च को सुबह 9 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। यह चुनाव अधिवक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण है, जिसमें पंजीकृत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। चुनाव सुचारू रूप से संपन्न करवाने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव को फ्री एंड फेयर करवाने के लिए मतदान अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ट्रेनिंग 13 मार्च को अनिवार्य रूप से आयोजित की जाएगी। संबंधित अधिकारी/कर्मचारी अपनी ट्रेनिंग में पूर्ण रूप से उपस्थित रहें ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सके। जिले के सभी अधिवक्ताओं से अनुरोध है कि वे इस महत्वपूर्ण चुनाव प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग प्रदान करें तथा किसी भी प्रकार की अफ्वाह या गलत सूचना से बचें। किसी भी जानकारी के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय या मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा के कार्यालय से संपर्क कर सकते है।

एलपीजी संकट के बीच इंडक्शन, स्टोव की बिक्री में आया उछाल, 24 घंटे में मांग 10 से 20 गुना बढ़ी

नई दिल्ली, 12 मार्च (निस) मध्य पूर्व में बढ़ते सैन्य तनाव और गैस आपूर्ति को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच भारत में एलपीजी संकट की आशंका ने उपभोक्ताओं के व्यवहार में बड़ा बदलाव ला दिया है। देश के कई शहरों में एलपीजी सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर चिंता बढ़ने के बाद इंडक्शन स्टोव की मांग में अचानक तेज़ उछाल देखने को मिली है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर इंडक्शन कुकटॉप की बिक्री सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना बढ़ गई है। कुछ प्लेटफॉर्म पर तो स्थिति यह हो गई कि भारी मांग के कारण कई उत्पाद कुछ ही घंटों में आउट ऑफ स्टॉक हो गए। क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट, स्वीगी, इंस्टामार्ट और जेप्टो पर इंडक्शन कुकटॉप पर भारी छूट दी जा रही है। हालांकि तेज़ मांग के चलते इन प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध अधिकांश मॉडल जल्दी ही बिक गए और सीमित स्टॉक ही बचा है। ई-कॉमर्स कंपनियों के आंकड़े भी मांग में तेज़ वृद्धि की पुष्टि करते हैं। अमेजॉन के अनुसार पिछले 24 घंटों में इंडक्शन कुकटॉप की मांग सामान्य दिनों की तुलना में करीब 20 गुना बढ़ गई है। वहीं फ्लिपकार्ट ने बताया कि पिछले चार-पांच दिनों में बिक्री लगभग तीन गुना बढ़ी है। इसी तरह ऑनलाइन ग्रॉसरी प्लेटफॉर्म बिग बास्केट ने भी बताया कि सोमवार से अब तक इंडक्शन कुकटॉप की बिक्री लगभग पांच गुना तक बढ़ गई है।

भारत के टी20 वर्ल्ड कप जीतने पर डीएमआरसी ने कुछ यूं दी बधाई

नई दिल्ली 12 मार्च (निस) टीम इंडिया ने तीसरी बार आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रच दिया है। इस ऐतिहासिक जीत पर डीएमआरसी ने खास अंदाज में बधाई दी है। टीम इंडिया ने आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप जीतकर एक और इतिहास रच दिया है। जीत के बाद भारत में हर तरफ जश्न का माहौल है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड को हराकर तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। भारत की इस ऐतिहासिक जीत के बाद देशभर में खेल, राजनीतिक व सामाजिक जगत से लगातार शुभकामनाएं मिल रही हैं। वहीं दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने खास अंदाज में बधाई दी है। टीम इंडिया की जीत पर दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक रचनात्मक संदेश साझा किया। डीएमआरसी ने लिखा क्रिकेट पिच से लेकर शहर की लाइफलाइन तक, यह सब बेहतरीन तरीके से मंजिल तक पहुंचने के बारे में है। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप में शानदार जीत के लिए टीम इंडिया को दिल से बधाई। टीम इंडिया की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियों ने बधाई संदेश दिए। उपराष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप एक बार फिर जीतने और खिताब बरकरार रखने पर टीम इंडिया को बहुत-बहुत बधाई। उन्होंने कहा कि फाइनल में शानदार प्रदर्शन के साथ भारत तीन आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने वाली पहली टीम बन गया है। यह पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और करोड़ों भारतीय प्रशंसकों को भी शुभकामनाएं दीं, जिनके अटूट समर्थन ने इस सफलता को संभव बनाया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी सोशल मीडिया पर टीम इंडिया की जीत को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने लिखा कि इतिहास फिर नीले रंग में दहाड़ा है और टीम इंडिया ने एक बार फिर दुनिया जीत ली है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में तीसरी बार आईसीसी मेन्स टी20 इंटरनेशनल वर्ल्ड कप जीतकर खिलाड़ियों ने इतिहास रच दिया।

मदनगीर में ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर दुकानदार की हत्या

नई दिल्ली 12 मार्च (निस) दक्षिण दिल्ली के अंबेडकर नगर स्थित मदनगीर इलाके में सोमवार की रात एक युवक पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं गईं। हमले में निखिल नागर उर्फ निक्की (30) बुरी तरह जख्मी हो गया। उसे कई गोलियां लगीं थीं। हमले के बाद परिजन उसे एम्स ट्रामा सेंटर ले गए, जहां उपचार के दौरान मंगलवार को उसने दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। क्राइम टीम व एफएसएल को भी बुलाया गया। पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर छानबीन में जुटी है। शुरुआती जांच से पुलिस आशंका जता रही है कि रंजिश में निखिल पर हमला किया गया। परिजनों का कहना है कि डेढ़ माह पूर्व ही निखिल हत्या के एक मामले में जेल से बाहर आया था। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल ने बताया कि निखिल नागर परिवार के साथ मदनगीर, अंबेडकर नगर में रहता था। वह घर के पास ही चिकन बेचने की दुकान चलाता था।

दिल्ली में सफर करना होगा और भी आसान बढ़ेगा इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा

नई दिल्ली 12 मार्च (निस) दिल्ली सरकार इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ाकर सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बना रही है। वर्तमान में 4000 से अधिक बसें चल रही हैं, और साल के अंत तक 7500 का लक्ष्य है। दिल्ली में साफ और बेहतर सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने के लिए सरकार इलेक्ट्रिक बसों की संख्या लगातार बढ़ा रही है। दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने मंगलवार को परिवहन विभाग और दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के कामकाज की समीक्षा बैठक की। इस बैठक में इलेक्ट्रिक बसों के विस्तार, चार्जिंग व्यवस्था और नए बस टर्मिनल जैसे कई अहम प्रोजेक्ट्स पर चर्चा हुई। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल दिल्ली में 4000 से ज्यादा इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं। इसी महीने 200 नई इलेक्ट्रिक बसें और सड़कों पर उतारी जाएंगी। इसके साथ ही सरकार का लक्ष्य है कि साल के अंत तक दिल्ली में करीब 7500 इलेक्ट्रिक बसें हो जाएं। इससे प्रदूषण कम करने और लोगों को बेहतर सफर की सुविधा देने में मदद मिलेगी। परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार का फोकस साफ और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन पर है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों से न सिर्फ प्रदूषण कम होगा बल्कि यात्रियों को भी आरामदायक यात्रा मिलेगी। बैठक में यह भी बताया गया कि दिल्ली के 44 बस डिपो में पहले से ही इलेक्ट्रिक चार्जिंग की व्यवस्था बनाई जा चुकी है। इसके अलावा पीएम ई-ड्राइव फेज-1 और फेज-2 योजना के तहत 36 और डिपो में चार्जिंग नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। इससे आने वाले समय में और ज्यादा इलेक्ट्रिक बसें आसानी से चलाई जा सकेंगी।

यमुनापार सड़कें बनीं मलबे का ढेर लगातार बढ़ रहा हादसों का खतरा

नई दिल्ली 12 मार्च (निस) पूर्वी दिल्ली की यमुनापार सड़कों पर अवैध मलबे और निर्माण सामग्री का बोझ बढ़ गया है, जिससे कई मुख्य मार्ग स्थायी डंपिंग जोन बन गए हैं। इससे सड़कें संकरी हो गई हैं और दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना रहता है। पूर्वी दिल्ली में यमुनापार की सड़कों पर सिर्फ यातायात का ही भार नहीं है, बल्कि अवैध रूप से डाले गए मलबे और भवन निर्माण सामग्री का बोझ भी ढो रही हैं। इलाके की कई मुख्य सड़कें स्थायी डंपिंग जोन में तब्दील हो गई हैं, जिससे हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन सड़कों पर चलना जोखिम भरा हो गया है। दो लेन की सड़कें अतिक्रमण के कारण एक लेन में सिमट कर रह गई हैं। ऐसा कोई दिन नहीं गुजरता जब इन स्थानों पर हादसे का खतरा न बना रहता हो। गाजीपुर, कड़कड़ी मोड़, कोंडली मोड़, प्रीत विहार और अजित नगर की जिन सड़कों पर वाहनों को फर्राटा भरना चाहिए था, वहां भवन निर्माण सामग्री और मलबे के ढेर लगे हुए हैं। इससे सड़कें दुर्घटना संभावित क्षेत्र में बदल गई हैं। अतिक्रमण के कारण इन सड़कों की चौड़ाई आधे से भी कम रह गई है। वाहनों के गुजरने पर धूल उड़ती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के मौसम में सड़क की हालत और खराब हो जाती है। मालवाहक वाहनों से रोजाना सड़क किनारे मलबा डाला जाता है, जबकि प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। गाजीपुर मंडी के पास निगम पार्किंग के पास सड़क डंपिंग जोन में बदल चुकी है। सड़क के दोनों ओर मलबा डाला जा रहा है, जिससे सड़क अपनी पहचान खो चुकी है। धूल और मलबे से सड़क पूरी तरह पट गई है और बरसात में यह जानलेवा बन जाती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, करीब एक साल पहले तक सड़क की स्थिति ठीक थी, लेकिन उसके बाद यहां मलबा डाला जाने लगा और धीरे-धीरे पूरी सड़क डंपिंग जोन में तब्दील हो गई।

पास में उत्तर प्रदेश की सीमा होने के कारण अब दिल्ली और यूपी दोनों तरफ से यहां मलबा डाला जा रहा है।

कोंडली मोड़ के पास से गुजरने वाली नाला रोड इलाके को एनएच-नौ से जोड़ती है।

2047 तक विकसित दिल्ली का सपना मंत्री आशीष सूद ने सीआईआई कॉन्फ्रेंस में उद्योग जगत को दिया भरोसा

नई दिल्ली 12 मार्च (निस) दिल्ली मंत्री आशीष सूद ने सीआईआई कॉन्फ्रेंस में 2047 तक विकसित दिल्ली का विजन रखा। 325 करोड़ की इन्क्यूबेशन नीति, 2035 तक 5000 स्टार्टअप को मदद। दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद ने यानी सीआईआई द्वारा आयोजित दिल्ली स्टेट एनुअल सेशन 2025-26 और बिजनेस कॉन्फ्रेंस में उद्योग जगत के साथ मिलकर राजधानी के विकास पर जोर दिया। कार्यक्रम का विषय था - दिल्ली 2047 कैपिटल ऑफ ग्रोथ, इनोवेशन एंड ग्लोबल पार्टनरशिप्स। इस सम्मेलन में उद्योग जगत के कई प्रतिनिधि, नीति विशेषज्ञ और कारोबारी मौजूद थे। मंत्री आशीष सूद ने कहा कि साल 2047 तक दिल्ली को विकसित दिल्ली बनाने के लिए उद्यमियों, कारोबारियों और कंपनी मालिकों का साथ बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार और उद्योग के बीच मजबूत सहयोग से ही दिल्ली को विकास, नवाचार और वैश्विक साझेदारी की राजधानी बनाया जा सकता है। दिल्ली के व्यापारियों और उद्योगों ने पिछले कुछ सालों में रोजगार पैदा करने और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। मंत्री सूद ने बताया कि सरकार उद्योग जगत के साथ लगातार बातचीत कर रही है ताकि नई नीतियां बनाई जा सकें और व्यापार के लिए बेहतर माहौल तैयार हो सके। सरकार फायर एनओसी, श्रम नियम और लाइसेंस से जुड़ी प्रक्रियाओं को आसान बनाने पर काम कर रही है जिससे कारोबार शुरू करना और चलाना पहले से ज्यादा आसान होगा।

पीएम ने कहा-मत घबराएं...

पृष्ठ तीन का शेष ....किया है, जिसकी कमान देश के कई बड़े मंत्री संभालेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में पेट्रोल, डीजल और गैस की आपूर्ति की मॉनिटरिंग के लिए कमिटी गठित की गई है। यह एक तीन सदसीय कमेटी है, जिसमें अमित शाह (गृह मंत्री), अमित शाह (गृह मंत्री) और हरदीप सिंह पुरी (पेट्रोलियम मंत्री) शामिल होंगे। देश में गैस की किल्लत की खबरें सामने आने के बाद हालात थोड़े गड़बड़ाते हुए नजर आ रहे है। कई बड़े शहरों जैसे कि दिल्ली, मुंबई, लखनऊ और भोपाल में गैस एजेंसियो के बाहर गैस भरवाने लोग लंबी लाइनें लगा कर खड़े हैं। ये लाइनें इतनी लंबी हैं कि लोगों को अपनी बारी के लिए घंटों का इंतजार करना पड़ रहा है। देश में ऐसे हालात मिडिल ईस्ट में बने युद्ध जैसे हालातों पर तनाव को लेकर उजागर हो रहे हैं। लोगों का ऐसा मानना है कि अगर युद्ध लंबा खींचता है तो इससे देश में गैस की किल्लत बन सकती है, जिसका सीधा असर आम जनता पर होगा। इसी के चलते बाजारों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया है। देश में बन रहे इन हालातों पर सरकार ने कहा है कि देश में गैस और तेल के पर्याप्त भंडार हैं।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने अपना रुख साफ करते हुए कहा कि मिडिल ईस्ट में बन रहे इन युद्ध जैसे हालातों के बीच भारत में गैस की सप्लाई पर कोई असर नहीं होगा। इसके लिए सरकार ने लोगों को इस समय में पैनिक न करने की सलाह दी है और कहा है कि ऐसी अफवाहों से बचें।

पंजाब में प्रगतिशील निवेश सम्मेलन आज से

पृष्ठ तीन का शेष .....एक प्रमुख आईटी और नवाचार केंद्र के रूप में उभर रहा है, जिसे मजबूत औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र और विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे का समर्थन प्राप्त है।सतत विकास के प्रति पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा करते हुए पर्यावरण-अनुकूल औद्योगिक विकास को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रही है।राज्य की अर्थव्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए संजिव अरोड़ा ने कहा कि पंजाब लगातार निवेशकों के लिए पसंदीदा गंतव्य बनकर उभर रहा है और राज्य ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में अपनी स्थिति को और मजबूत किया है।इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के सचिव गुरकीरत किरपाल सिंह, इनवेस्ट पंजाब के सीईओ अमित ढाका तथा पंजाब विकास आयोग की वाईस चेयरमैन सीमा बंसल भी उपस्थित थीं।

संसद में हंगामा...में सीएनजी की आपूर्ति भी सामान्य रूप से जारी है। मंत्री ने कहा कि घबराहट के कारण लोगों ने ज्यादा बुकिंग कर दी है, जिससे मांग अचानक बढ़ गई है। सरकार ने स्थिति पर नजर रखने के लिए तीन मंत्रियों की एक समिति भी बनाई है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि देश ऐसे हालात से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।वहीं स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि संसद नियमों के अनुसार ही चलेगी और बिना नोटिस के किसी अन्य मुद्दे पर चर्चा करना उचित नहीं है। संसद में किसी को भी विशेष अधिकार नहीं है।

दिल्ली हाई कोर्ट में वकीलों की कैंटीन में नहीं बनी दाल-चावल एलपीजी सिलेंडर सप्लाई प्रभावित

नई दिल्ली 12 मार्च (निस) दिल्ली हाई कोर्ट में वकीलों की कैंटीन के मैनेजर ने बताया कि कई जगह प्रयास किया लेकिन गैस नहीं मिली। कब तक सिलेंडर आएगी इसका कुछ पता नहीं। दिल्ली हाई कोर्ट के वकीलों की कैंटीन में 11 मार्च गैस सिलेंडर की कमी की वजह से मेन कोर्स का खाना नहीं बन पाया। कैंटीन प्रबंधन ने बताया कि फिलहाल उनके पास एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए आज मेन कोर्स परोसा नहीं जा सकेगा। कैंटीन की ओर से कहा गया है कि अभी यह भी साफ नहीं है कि गैस सप्लाई कब तक बहाल होगी। जैसे ही एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध होंगे, मेन कोर्स की तैयारी फिर से शुरू कर दी जाएगी। इस वजह से आज कैंटीन में आने वाले वकीलों और अन्य लोगों को मेन कोर्स के बिना ही काम चलाना पड़ेगा। कैंटीन प्रबंधन ने उम्मीद जताई है कि गैस सप्लाई जल्द शुरू हो जाएगी, जिसके बाद खाने की पूरी व्यवस्था सामान्य हो जाएगी। दिल्ली हाई कोर्ट में वकीलों की कैंटीन के मैनेजर मोहर सिंह ने कहा गैस नहीं आई तो हमने आइटम बंद कर दिया है। लंच का जो आइटम था उसे बंद कर दिया है। ब्रेक फास्ट चल रहा है। लंच में दाल-चावल, कढ़ी-चावल, राजमा-चावल, छोले-चावल, चिकेन, बिरयानी ये सब बंद कर दिया है। आगे से गैस नहीं आ रही है। हमने काफी जगह कोशिश की लेकिन गैस नहीं आया। कब तक सिलेंडर आने की उम्मीद है, इस सवाल पर उन्होंने कहा कोई पता नहीं है। करीब हजार की संख्या में रोजाना वकील यहां लंच करते थे। अभी हम पनीर सलाद, चिकेन सलाद, सैंडविच ये चीजें दे रहे हैं। जो बिना गैस के बनने वाली चीजें हैं वो परोसी जा रही हैं।

रफ्तार और कनेक्टिविटी को मिलेगा नया आयाम मेट्रो कॉरिडोर के उद्घाटन में-सीएम रेखा

नई दिल्ली 12 मार्च (निस) अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली को आधुनिक सार्वजनिक परिवहन की बड़ी सौगात दी।उन्होंने दिल्ली मेट्रो के दो नए कॉरिडोर का उद्घाटन और तीन का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए पीएम का आभार व्यक्त किया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिल्ली को आधुनिक सार्वजनिक परिवहन की बड़ी सौगात मिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली मेट्रो के दो नए कॉरिडोर का उद्घाटन किया और फेज-4(ए) के तीन नए कॉरिडोर का शिलान्यास किया। लगभग 18 हजार करोड़ रुपए की लागत वाली इन परियोजनाओं से राजधानी में कनेक्टिविटी मजबूत होगी और लाखों लोगों की यात्रा अधिक तेज, सुरक्षित और सुगम बनेगी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि देश को प्रगति की राह पर निरंतर आगे बढ़ाने वाले पीएम मोदी का दिल्ली आगमन राजधानी के लिए गौरव का क्षण है।उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा दिल्ली की जनता, विशेषकर महिलाओं को यह महत्वपूर्ण सौगात देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा आधुनिक सार्वजनिक परिवहन का लाभ दिल्ली के हर नागरिक को मिलेगा, लेकिन माताओं, बहनों और बेटियों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का यह माध्यम विशेष रूप से महत्वपूर्ण होगा। सीएम रेखा ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा जिन दो कॉरिडोर का उद्घाटन किया गया है, उनमें मजलिस पार्क से मौजपुर-बाबरपुर (लगभग 12 किमी) और मजलिस पार्क से दीपाली चौक (लगभग 9 किमी) शामिल हैं। इन कॉरिडोरों के शुरू होने से दिल्ली के लाखों लोगों का आवागमन आसान होगा। विशेष रूप से वजीराबाद, खजूरी खास, भजनपुरा, यमुना विहार और करावल नगर जैसे यमुना पार के क्षेत्रों में पहली बार मेट्रो सुविधा पहुंचेगी।

एलपीजी संकट का मुद्दा राजनीतिक नहीं, कहानी घर-घर की अरविंद केजरीवाल ने जताई चिंता

नई दिल्ली 12 मार्च (निस) देश में एलपीजी संकट को लेकर सोशल मीडिया पर तेजी से ट्रेंड कर रहा है। इसकी वजह दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की वह जिसमें उन्होंने एलपीजी की भारी कमी और उससे पैदा हुए राष्ट्रीय संकट पर गंभीर सवाल उठाए। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने एलपीजी संकट पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि देश इस समय एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां रसोई गैस जैसी बुनियादी जरूरत भी लोगों को आसानी से उपलब्ध नहीं हो रही। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में एलपीजी का उत्पादन लगभग 50 प्रतिशत तक घट चुका है, जिसके कारण हालात तेजी से बिगड़ते जा रहे हैं। इस कमी का सबसे बड़ा असर आम लोगों और छोटे कारोबारियों पर पड़ रहा है। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे, क्लाउड किचन और छोटे फूड कारोबार एलपीजी पर ही निर्भर रहते हैं। लेकिन अब सरकार के आदेश के बाद कई जगहों पर रेस्टोरेंट और होटलों को एलपीजी सिलेंडर तक नहीं मिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

विश्व ग्लूकोमा सप्ताह के उपलक्ष्य में रैली आयोजित

उत्तर बस्तर कांकेर 12 मार्च (निस) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा अंधत्व एवं अल्पदृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत 08 से 14 मार्च तक विश्व ग्लूकोमा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में आज शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध कोमलदेव जिला चिकित्सालय कांकेर से नगर के मुख्य मार्गों में विश्व ग्लूकोमा सप्ताह के उपलक्ष्य में रैली आयोजित की गई तथा नागरिकों को इसके लक्षण और परीक्षण के संबंध में जागरूक किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.सी. ठाकुर ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि ग्लूकोमा एक (काला मोतिया) आंखों का रोग है, यह बीमारी 40 वर्ष से अधिक उम्र वालों को होती है। ग्लूकोमा धीरे-धीरे आंखां की रोशनी छीन लेता है। इसके प्रभाव से दृष्टि में धीरे-धीरे कमी आना, आंखों में लालिमा, अचानक दृष्टि का जाना, तीव्र दर्द, धुंधली दृष्टि, तेज रोशनी के चारों तरफ इंद्रधनुष रंग के गोले नजर आना, चश्मा नम्बर में लगातार बदलाव होना ग्लूकोमा के सामान्य लक्षण हैं। इस दौरान नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. मोनिका महिलांग तथा अंधत्व एवं अल्पदृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. सरिता कुमेटी द्वारा ग्लूकोमा के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा पोस्टर प्रेजेंटेशन के माध्यम से जनचेतना हेतु प्रस्तुति दी गई, साथ ही शहर में विश्व ग्लूकोमा दिवस पर रैली निकालकर जनजागरूकता हेतु प्रचार-प्रसार किया गया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग कांकेर द्वारा जिलावासियों से अनुरोध किया गया है कि विश्व ग्लूकोमा सप्ताह में अपनी आंखों की जांच अधिक से अधिक संख्या में अनिवार्य रूप से कराएं।

खेल प्रतियोगिताओं के साथ उत्साहपूर्वक मनाया गया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, महिलाओं ने दिखाया दमखम

एमसीबी 12 मार्च (निस) अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर एवं युवा खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में स्वामी आत्मानंद विद्यालय, मनेंद्रगढ़ में गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिलाओं के सम्मान, सशक्तिकरण और उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं, जिनमें जिले की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं पूजा-अर्चना के साथ किया गया। दिया शर्मा द्वारा दीप मंत्र प्रस्तुत कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गई। इसके पश्चात कबड्डी, वॉलीबॉल, शतरंज, 100 मीटर दौड़, गोला फेंक एवं लंबी कूद जैसी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में कबड्डी एवं वॉलीबॉल में खड़गवां की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। शतरंज प्रतियोगिता में मनेंद्रगढ़ के अक्षर ने प्रथम, लेदरी की नीतू ने द्वितीय तथा कछौड़ की किरण ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अमृतपाल सिंह प्रिंटर, पब्लिशर व संपादक ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए आईजी प्रिंटर्स प्रा.लिमि., 104, डीएसआईडीसी, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 के मालिक/कीपर जगपाल सिंह से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा 24/34 तिलक नगर नई दिल्ली से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.57282/1994